राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 05 जून 2023 वर्ष–6,अंक–131 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेटी को हीरोइन बनाने के लिए मां खिलाती थी हार्मोन्स की गोलियां, दर्द से परेशान हुई लड़की

नई दिल्ली। एक मां अपनी बेटी को हीरोइन बनाने की जिद में उसे हार्मोन्स की गोलियां खिलाती थी। इसका उसके स्वास्थ्य पर काफी बुरा असर हुआ है। लड़की की उम्र सिर्फ 16 साल है और उसकी मां करीब चार साल से यह दवाई दे रही थी। दर्द से परेशान होकर उसने चाइल्डलाइन में गुरुवार को शिकायत दर्ज करायी, जिसके बाद आंध्र प्रदेश के बाल अधिकार की संरक्षण करने वाले आयोग ने उसका रेस्क्यू किया है। ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़की ने आरोप लगाया कि, मेरी मां मुझे कुछ टैबलेट की ओवरडोज दिया करती थी। जब मैं यह टैबलेट खाती थी तो मैं बेहोश हो जाती थी। अगले दिन मेरे बदल फूल जाते थे। यह काफी दर्दनाक होता है। मेरी पढ़ाई पर भी असर डालता है। मां ने अपनी बेटी को फिल्म निर्माता होने का दावा करने वाले किसी व्यक्ति के साथ अंतरंग होने के लिए भी प्रताड़ित किया था। वह उसके घर आया था।

दवा नहीं लेने पर पीटती थी मां–लड़की ने अपनी शिकायत में कहा, वह मेरी इंटरमीडिएट पूरा करने के बाद मुझे फिल्म निर्देशकों और निर्माताओं के साथ काम करने के लिए तैयार करना चाहती है। जब भी मैं दवा लेने से मना करती हूं तो वह मुझे पीटती है। वह मुझे बिजली के झटके देने की धमकी भी देती थी।%% राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष केसली अप्पा राव के नेतृत्व में बाल कल्याण समिति ने शुक्रवार को पुलिस अधिकारियों के साथ लड़की के घर का दौरा किया और लड़की का रेस्क्यू किया। लड़की ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसके पिता के राजेश कुमार ने उसकी मां को तलाक दे दिया था। उसने बाद उसने किसी दूसरे व्यक्ति से शादी कर ली। उसकी कुछ साल बाद मृत्यु हो गई।

112 पर डायल कर बचाई जान–समाचार पत्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अप्पा राव ने बताया कि लड़की ने पहले 112 डायल किया, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। बाद में उसने गुरुवार को किसी अन्य व्यक्ति की मदद से चाइल्डलाइन के नंबर 1098 पर डायल किया। आयोग ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए नाबालिग की शिकायत पुलिस को सौंप दी।

ना राहुल जाएंगे, ना खरगे; मोदी के खिलाफ विपक्षी एकता के लिए निकले नीतीश को कांग्रेस ने दे दिया झटका?

● कर्नाटक में मिली जीत से उत्साहित कांग्रेस पार्टी ने साफ-साफ कहा है कि पटना में होने वाली इस बैठक में ना तो राहुल गांधी जाएंगे और ना ही वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे।

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्षी एकता के लिए निकले हैं। इसके लिए उन्होंने हाल के दिनों में कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित विपक्ष के तमाम नेताओं के साथ मुलाकात की थी और एक सीट, एक उम्मीदवार पर बात की थी। तमाम नेताओं से मुलाकात के बाद उन्होंने 12 जून को पटना में विपक्ष की एक बड़ी बैठक बुलाई है, जिसमें कांग्रेस के दोनों कद्दावर नेताओं के शामिल होने की चर्चा थी। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है। कर्नाटक में मिली जीत से उत्साहित कांग्रेस पार्टी ने साफ-साफ कहा है कि पटना में होने वाली इस बैठक में ना तो राहुल गांधी जाएंगे और ना ही वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे। कांग्रेस शासित राज्य के किसी मुख्यमंत्री को इस बैठक में शामिल होने के लिए पटना भेजा जा सकता है। देश की सबसे पुरानी पार्टी के इस कदम को सियासी गलियारों में नीतीश कुमार के लिए एक झटके की तरह देखा जा रहा है।

कर्नाटक में मिली जीत से कांग्रेस उत्साहित–नीतीश कुमार ने जब राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की थी, तब कर्नाटक चुनाव के नतीजे सामने नहीं आए थे। इस चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद कांग्रेस के तेवर अचानक बदल गए हैं। पार्टी के अधिकांश नेता फिर एकबार राहुल गांधी के प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाना चाहते हैं। उनकी दलील है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के कारण राहुल गांधी की लोकप्रियता में इजाफा हुआ है और कर्नाटक में मिली जीत इसी का परिणाम है।

तमाम नेताओं से मुलाकात के बाद उन्होंने 12 जून को पटना में विपक्ष की एक बड़ी बैठक बुलाई है, जिसमें कांग्रेस के दोनों कद्दावर नेताओं के शामिल होने की चर्चा थी। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है।

कांग्रेस नहीं करना चाहती है जल्दबाजी

नीतीश कुमार विपक्षी एकता को लेकर जितनी जल्दबाजी में हैं, कांग्रेस उतनी ही इस मुद्दे पर शांत है। वह फिलहाल ना तो सीट शेयरिंग पर बात करने के मूड में है और ना ही प्रधानमंत्री पद के कैंडिडेट को लेकर किसी दूसरे नेता के नाम पर मुहर लगाना चाहती है। कांग्रेस सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

नीतीश को पीएम कैंडिडेट घोषित करना चाहती है JDU

वहीं, नीतीश कुमार भले ही कई मौकों पर यह कह चुके हैं कि प्रधानमंत्री बनने की उनकी कोई इच्छा नहीं है, लेकिन उनकी पार्टी के तमाम नेता अक्सर उन्हें पीएम कैंडिडेट बनाने की बात कह रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि पटना में 12 जून को होने वाली बैठक में उनके नाम का प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठता है कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की गौरमौजूदगी में हो रही विपक्षी एकता की पहली बैठक के मायने क्या रह जाएंगे। कहीं, इसका हश्र थर्ड फ्रंट जैसा तो नहीं हो जाएगा।

पीएम मोदी ने अश्विनी वैष्णव को किया फोन, जाना बालासोर का हाल

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर ट्रेन हादसे पर रेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से फोन पर बात और बालासोर ट्रिपल ट्रेन दुर्घटना स्थल पर मरम्मत कार्य की प्रगति की ताजा जानकारी ली। अश्विनी वैष्णव दुर्घटनास्थल पर मौजूद हैं और बहाली कार्य का जायजा ले रहे हैं। इससे पहले आज रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि ओडिशा के बालासोर में बहाली का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। पीएम मोदी ने शनिवार को खुद ओडिशा के बालासोर में दुर्घटनास्थल पर जाकर स्थिति का जायजा लिया था। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ÷ओडिशा में त्रासदी स्थल पर स्थिति का जायजा लिया। शब्द मेरे गहरे दुख को व्यक्त नहीं कर सकते। हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं उन सभी लोगों की सराहना करता हूं जो काम कर रहे हैं।÷ प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी थे।

पीएम मोदी ने रेल मंत्री को लगाया फोन

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को फोन किया और ताजा हालात की जानकारी ली। रेलवे के सूत्रों ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने बालासोर ट्रिपल ट्रेन हादसे पर मरम्मत कार्य की प्रगति जानी। अश्विनी वैष्णव सुबह से घटनास्थल पर मौजूद हैं और बहाली कार्यों का खुद जायजा ले रहे हैं।

हादसे की असली वजह

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हादसे का कवच से कोई लेना देना नहीं है। जो ममता बनर्जी ने कल कहा था वह भी हादसे की वजह नहीं है। हादसा इलेक्ट्रिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुआ। उन्होंने कहा, हमें हादसे का कारण पता चल गया है और यह भी पता चल गया है कि जिम्मेदार कौन है। फिलहाल हम रीस्टोरेशन पर फोकस कर रहे हैं।

पीएम की हाईलेवल मीटिंग

दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद, पीएम मोदी ने फकीर मोहन अस्पताल, बालासोर का दौरा किया, जहां कुछ घायल यात्रियों को भर्ती कराया गया है। हादसे में जीवित बचे लोगों से मिलने के बाद उन्होंने कहा कि हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषी पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

रेलवे का प्रारंभिक अनुमान, सिग्नल की समस्या से हुई भीषणतम रेल दुर्घटना

कोलकाता। रेलवे ने ओडिशा के बालेश्वर के पास हुई रेल दुर्घटना की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है. दक्षिण पूर्व रेलवे के सुरक्षा आयुक्त की निगरानी में यह जांच हो रही है. प्रारंभिक तौर पर दावा किया जा रहा है कि सिग्नल की समस्या की वजह से यह दुर्घटना हुई है.

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अप मेन लाइन में ग्रीन सिग्नल दिया गया था लेकिन ट्रेन उस पटरी पर न जाकर बगल में लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी वाली पटरी पर चढ़ कर टकरा गई, जिसकी वजह से कोरोमंडल एक्सप्रेस बेपटरी होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई. यह भी पता चला है कि डाउन लाइन से सर एम विश्वेश्वरैया हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस बालेश्वर की ओर जा रही थी. उस ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए थे.

ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि मेन लाइन पर ग्रीन सिग्नल होने के बावजूद ट्रेन लूप लाइन पर

कैसे गई. दावा किया जा रहा है कि सिग्नल देने में समस्या हुई थी जिसकी वजह से दुर्घटना हुई है. बहरहाल रेलवे की ओर से भी अंतरिम रिपोर्ट जारी होने का इंतजार किया जा रहा है.

इस बीच शुक्रवार शाम 7:00 बजे के करीब दुर्घटना के बाद से ही दक्षिण भारत की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है. यहां तक कि दिल्ली, मुंबई और अन्य क्षेत्रों से भी पुरी आने वाली ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है. ऐसे में रेल सेवाएं कब तक सामान्य होंगी, इसे लेकर भी लगातार सवाल पूछे जा रहे हैं. रेलवे के एक अधिकारी ने रविवार सुबह बताया कि मंगलवार से पहले ट्रेन सेवाएं सामान्य होने की संभावना नहीं है. दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आदित्य कुमार ने बताया कि दुर्घटना के बाद रेल सेवाएं सामान्य करने के लिए एक हजार मजदूरों को मौके पर लगाया गया है. सात पोकलेन मशीनें काम कर रही हैं. दो एआरटी दुर्घटनास्थल पर मौजूद हैं. 1400 टन का रेलवे क्रेन भी लगातार काम कर रहा है. तीन रोड क्रेन काम कर रहे थे और रात को एक और रोड क्रेन को लगाया गया है. पटरी को दोबारा सामान्य कर रेल यातायात सुचारू करने के लिए कोशिशें हो रही हैं लेकिन सबकुछ पहले की होने के बाद भी तकनीकी जांच में वक्त लगेगा.

राजस्थान में आंधी-बारिश, 3 की मौत, एमपी के 15 शहरों में पारा 40 डिग्री पार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में रविवार सुबह हुई बारिश ने तापमान में राहत दी है। ठंडी हवाओं और बादल के चलते दिल्ली में न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, आज राजस्थान, हरियाणा और यूपी के कुछ इलाकों में भी बारिश हो सकती है। राजस्थान में शनिवार रात आए आंधी-तूफान के चलते 3 लोगों की जान चली गई। अजमेर में आंधी-बारिश से एक घर की दीवार ढह गई थी। दबने से मां और दो बेटों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश में शनिवार को 15 शहरों में तापमान 40 डिग्री पार चला गया। शाम को हुई बारिश से गर्मी से राहत मिली। यूपी में भी 10 शहरों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। पटना शनिवार को देश की सबसे गर्म राजधानी रही। यहां पारा 42.7 डिग्री रिकार्ड हुआ। दूसरे नंबर पर 42.6 डिग्री के साथ चेन्नई और 42.2 डिग्री के साथ तीसरे नंबर पर रायपुर रहा।

राज्य में शनिवार को जोधपुर और उदयपुर के आसपास के इलाकों में बारिश हुई और ओले गिरे। राजधानी जयपुर, चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर, राजसमंद और पाली में भी बरसात हुई। बीकानेर में ओलों की जबरदस्त बारिश के बाद जमीन सफेद चादर से ढकी नजर आई। राज्य के उत्तर-पश्चिम जिलों के अलावा दक्षिण-पूर्वी जिलों में भी कई जगह 82 किमी. स्पीड से तेज अंधड़ आया और भारी बारिश हुई।

मौसम विभाग ने अगले 3 दिन के लिए आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान उमस बढ़ेगी, कई शहरों में पारा 2 से 4ए तक बढ़ेगा। 6 जून के बाद कई शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर जा सकता है। अगले हफ्ते तक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कमजोर पड़ने से गर्मी भी बढ़ेगी।

भैंसों को काटा जा सकता है तो गायों को क्यों नहीं, कर्नाटक में सरकार आते ही बोले कांग्रेस मंत्री

बेंगलुरु। कर्नाटक में सरकार बनाते ही कांग्रेस सरकार पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कानूनों में बदलाव की दिशा की तरफ आगे बढ़ रही है। सिद्धारमैया सरकार भाजपा सरकार द्वारा पारित गोहत्या और मवेशी संरक्षण (संशोधन) विधेयक 2021 में संशोधन पर विचार कर रही है। इशारा करते हुए कर्नाटक के पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान मंत्री के वेंकटेश ने कहा कि अगर भैंसों को काटा जा सकता है, तो गायों को क्यों नहीं? खुद को सही ठहराते हुए उन्होंने तर्क भी दिया कि किसान वृद्ध मवेशियों को ठिकाने लगाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इसलिए ऐसा किया जाना जरूरी है। अपने तर्क को सही ठहराने की कोशिश में कर्नाटक सरकार में मंत्री के वेंकटेश ने कहा कि किसान वृद्ध मवेशियों को रखने और मृत पशुओं को ठिकाने लगाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में उनके फार्महाउस में मरने वाली गायों में से एक गाय

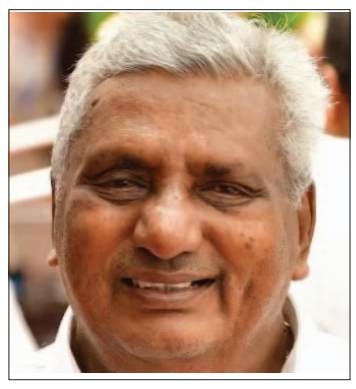

को निकालने में उन्हें कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ा।

गोवध कानून

दरअसल, बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने 1964 के अधिनियम में संशोधन करते हुए 2010 और 2012 में दो विधेयक पेश किए थे। 2014 में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा बिल वापस ले लिए गए थे। 1964 के अधिनियम के विपरीत, पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा पास नए कानून में बैल और भैंसों को मारने की अनुमति दी थी, लेकिन गायों को नहीं। नए कानून में ÷गाय, गाय के बछड़े और 13 वर्ष से कम उम्र के बैल÷ की हत्या पर प्रतिबंध लगाया। साथ ही इसमें दोषी पाए जाने पर कड़ी सजा का प्रावधान भी किया। 1964 के कानून ने बैलों, भैंसों को मारने की अनुमति दी थी, यदि वे 12 वर्ष से अधिक आयु पार कर गए हों, इसके अलावा अगर वे प्रजनन के लिए अक्षम हों या बीमार घोषित हों। उस कानून ने भी किसी भी गाय या भैंस के बछड़े को मारने पर प्रतिबंध लगाया था।

फरवरी 2021 में, विपक्षी सदस्यों द्वारा विधेयक की प्रतियों को फाड़ने के हंगामे के बीच, कर्नाटक गोवध निवारण और मवेशी संरक्षण (संशोधन) विधेयक 2020 विधान परिषद में ध्वनि मत से पारित किया गया था। संशोधित विधेयक में भाजपा ने मवेशियों की परिभाषा का विस्तार किया और दंड को कठोर बनाया। साथ ही मवेशियों को मारने की आयु सीमा 20 तक बढ़ा दी थी।

सजा कितनी है

मौजूदा गोवध कानून के तहत दोषी को तीन से सात साल की कैद और पहले अपराध के लिए 50,000 रुपये से 5 लाख रुपये तक का जुर्माना है। दूसरे और बाद के अपराधों पर जुर्माने की सीमा 1 लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक है। तत्कालीन विपक्षी नेता के रूप में, सिद्धारमैया ने तब तर्क दिया था कि इस कानूनी प्रावधान ने गोमांस खाने वालों और मवेशियों के परिवहन, चमड़ा उद्योग और मांस पैकेजिंग उद्योग जैसी गतिविधियों में शामिल लोगों को प्रभावित किया है।

स्कूल बना मुर्दाघर, टुकड़ों में शव, अब शिनाख्त बड़ी चुनौती; त्रासदी से कम नहीं ओडिशा रेल हादसा

भुवनेश्वर। ओडिशा के बारासोल इलाके में हुए ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या 294 हो चुकी है। हादसे में मरने वालों के शव पास के एक स्कूल में रखे गए हैं। क्लासरूम और स्कूल के हॉल में शवों का ढेर है। उनकी शिनाख्त के लिए लोगों की लंबी कतार है। कई शव टुकड़ों में हैं। तो कुछ बिजली के झटकों के कारण बुरी तरह जले हुए हैं। ऐसे में इनकी पहचान कर पाना बड़ी चुनौती है। शवों की पहचान के लिए जमा हुए रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल है। मुर्दाघर बन चुके स्कूल में जमा हुए लोगों कई पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से भी हैं। बताया जा रहा है कि शवों की शिनाख्त में लंबा वक्त लग सकता है क्योंकि ओडिशा सरकार ने शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट का भी निर्णय लिया है। ओडिशा रेल हादसे में भले ही मृतकों की संख्या 294 बताई जा रही हो लेकिन, स्थानीय लोगों का कहना है कि यह संख्या काफी बढ़ सकती है क्योंकि अभी भी मलबे में कई अंग और शव दबे हुए हैं। शनिवार दोपहर को पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के बीच भी मीडिया के सामने बहस देखी गई। ममता ने दावा किया कि स्थानीय चश्मदीदों के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 500 तक जा सकती है। ममता को टोकते हुए रेल मंत्री ने कहा कि यह संख्या 238 है। हालांकि देर रात मृतकों की संख्या 294 तक पहुंच गई।

स्कूल बना मुर्दाघर, क्लारूम और हॉल में लाशों के ढेर

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार रात से चले रेस्क्यू ऑपरेशन में शवों को घटनास्थल के पास एक स्कूल में रखा गया है। बचाव अभियान समाप्त होने के साथ अब ध्यान मृतकों की शिनाख्त पर है। स्कूल को टेंपरेरी मुर्दाघर बनाने के पीछे की वजह बताते हुए अधिकारियों ने कहा कि यह दुर्घटनास्थल से काफी करीब और इसके क्लासरूम और हॉल काफी खुले और विशाल हैं, इसलिए इनका चयन किया गया। महिला एवं बाल कल्याण विभाग के निदेशक अरविंद अग्रवाल ने कहा, ÷कम से कम 163 शव यहां लाए गए, जिनमें से अब तक करीब 30 की पहचान उनके रिश्तेदारों ने कर ली है।÷

लाशों का अंबार, शिनाख्त बेहद कम

मौके पर तैनात डीएसपी रणजीत नायक ने कहा ÷यह एक आपातकालीन स्थिति है। लाशें आ रही हैं जबकि परिजन उनकी शिनाख्त के लिए लाइन पर लगे हैं। लेकिन कई शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। हम रिश्तेदारों को सावधानी से संभाल रहे हैं।÷ स्कूल के अंदर नगर निगम के कर्मचारियों समेत करीब 100 लोग काम करते देखे जा सकते हैं। बासुदेवपुर से आए नगरपालिका कार्यकर्ता राजेंद्र ने कहा, ÷हमारा बैच शनिवार दोपहर में आया था। क्षत-विक्षत शवों को उठाना कठिन काम है, लेकिन रिश्तेदारों का दर्द देखना कठिन है। शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गए हैं और कुछ बिजली के झटके के कारण जले हुए प्रतीत होते हैं। इसलिए उन्हें पहचानना मुश्किल है।

सामान देखकर भी हो रही पहचान

स्कूल में शवों की शिनाख्त के लिए एकत्र हुए परिवारों में से कई पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से थे। अधिकारियों के अनुसार, एक बार जब रिश्तेदार शव की पहचान कर लेते हैं, तो निवास प्रमाण पत्र और टिकट का प्रमाण देना होता है। चिन्हित व्यक्तियों के नाम भी आरक्षण चार्ट से मिलान किए जाते हैं। इसके बाद ही शव परिजनों को सौंपे जाते हैं और मुआवजे की प्रक्रिया शुरू होती है।

अधिकारियों के अनुसार, स्कूल में लोगों को चेहरे की जांच करने के लिए सफेद चादर उठाकर एक शरीर से दूसरे शरीर पर जाते देखा जा सकता है। चूंकि कई शवों की पहचान नहीं हो पा रही है, अधिकारियों ने कहा कि वे अब संभावित पहचान के लिए सामान, फोन और अन्य सामान की तलाश कर रहे हैं।

संपादकीय

भारत-नेपाल संबंध

भारत-नेपाल रिश्तों को हिमालयी ऊंचाइयों तक पहुंचाने का इरादा स्वागत-योग्य है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड भारत यात्रा पर आए हुए हैं और भारत ने उन्हें कतई निराश नहीं किया है। दोनों देशों के बीच अनेक समझौते हुए हैं, जिनसे परस्पर बंधुता का विस्तार तय है। भारतीय प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा है कि हम सभी मुद्दों को हल करेंगे, चाहे वह सीमा संबंधी हो या कोई अन्य मुद्दा। स्पष्ट है कि नेपाल के प्रधानमंत्री का ज्यादा जोर सीमा विवाद सुलझाने पर था, तो इसके पीछे उनकी आंतरिक राजनीति के दबाव को महसूस किया जा सकता है। मोटे तौर पर नेपाल की सभी प्रमुख मांगों या इच्छाओं को मान लिया गया है, लेकिन ऐसा लगता है कि सीमा विवाद पर नेपाल भारत से कुछ ज्यादा रियायत या उदारता की उम्मीद कर रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री की टिप्पणी गौरतलब है, 'मैंने प्रधानमंत्री मोदी जी से स्थापित द्विपक्षीय राजनयिक तंत्र के माध्यम से सीमा मामले को हल करने का आग्रह किया है।' इस मुद्दे पर भारत का जवाब भी प्रशंसनीय है, 'इसे दोनों पक्षों के बीच मजबूत धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों और मित्रता की भावना को ध्यान में रखते हुए सुलझाया जाएगा।' यह अच्छी बात है कि दोनों देशों के बीच रेल नेटवर्क विस्तार के लिए आगे काम होगा, इससे परस्पर यात्रा और व्यापार, दोनों में वृद्धि होगी। इस मोर्चे पर पहले ही काफी देर हो चुकी है और अब समय बर्बाद करने की कोई गुंजाइश नहीं है। नेपाल की दूसरे देशों पर निर्भरता स्पष्ट है, भारत उसके साथ अगर मजबूती के साथ खड़ा होगा, तो इससे अच्छा और कुछ नहीं। भारत के लिए हर पड़ोसी महत्वपूर्ण है और अच्छी बात यह है कि नेपाल की अर्थव्यवस्था कमोबेश बेहतर है। श्रीलंका और पाकिस्तान की तुलना में नेपाल बहुत बेहतर स्थिति में है। नेपाल के पास अतिरिक्त बिजली या ऊर्जा उपलब्ध है और भारत उससे 10 हजार मेगावाट विद्युत खरीदने के लिए सहमत हुआ है। इतना ही नहीं, भारत अपनी जमीन के जरिये नेपाल से बांग्लादेश के लिए विद्युत आपूर्ति होने देगा। ऊर्जा उत्पादन के मामले में नेपाल पूरे दक्षिण एशिया के लिए एक आदर्श है और नेपाल ने पनबिजली परियोजनाओं पर जितना काम किया है, उतना काम पाकिस्तान में भी नहीं हुआ है। भारत को अगर बिजली की जरूरत है, तो नेपाल से खरीदने में कतई हिचक नहीं होनी चाहिए। नेपाल की संपन्नता हर लिहाज से भारत के अनुकूल है। दोनों देशों के बीच सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक नई एकीकृत चेक पोस्ट का उद्घाटन भी उल्लेखनीय है, दो और चेकपोस्ट के लिए सहमति बनी है। दक्षिण एशिया की पहली सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन विस्तार योजना का अनावरण भी दर्ज करने लायक है। सात से अधिक उत्साहजनक समझौतों और संबंध विस्तार के बावजूद अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। कई ऐसे मोर्चे हैं, जिन पर सोचने की जरूरत है। क्या नेपाल-भारत के बीच सांस्कृतिक और बौद्धिक संपर्क में कमी आई है? क्या नेपाल में भारत विरोध के लिए कोई देश जमीन तैयार कर चुका है या कर रहा है? नेपाल ऐतिहासिक और पौराणिक रूप से भी भारत से जुड़ा हुआ है। दोनों देशों के बीच परस्पर लगाव इतना प्रगाढ़ है कि उसकी किसी अन्य देश से तुलना नहीं की जा सकती। यह एहसास नेपाल को भी सतत होना चाहिए। व्यावहारिकता यही है कि किसी से बन रही नई दोस्ती आदिकाल से चले आ रहे गहरे संबंधों पर भारी न पड़े।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

तकनीक के ढ़िंढ़ोरे बीच भीषण रेल हादसे कब तक?

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

बेशक बालासोर रेल दुर्घटना देश क्या दुनिया के भीषणतम हादसों में एक है। इतना ही नहींऔर याद भी नहीं कि देश में कभी एक साथ तीन रेलें इस तरहटकराई हों जिसमें दो सवारी गाड़ी हों? दुर्घटना से जो एक सच सामने आया है वो बेहद दुखद और चौंकाने वाला है।रिजर्व बोगियों के अलावाबहुत सी मौतें जनरल बोगियोंमें सवारों की भी हुईं जिनकी पहचान कैसे हो पाएगी?उससे भी बड़ी सच्चाई ये कि देश की अब तक सबसे ज्यादा रेल दुर्घटनाएं स्टेशनों पर पहुंचने से थोड़ा पहले ही हुईं जिसका मतलब जब अप और डाउन दोनोंट्रैककिसी स्टेशन पर पहुंचने से पहले यात्री सुविधाओं की दृष्टि सेकई लूप ट्रैक में विभाजित हो यात्रियों खातिरप्लेटफॉर्म पर गाड़ियों को पहुंचाते हैं।यहां आगे जा रही या पीछे से आ रही ट्रेनों की स्थिति और निगरानी की जरा सी चूकहादसों में बदल जाती है। यकीनन ट्रेनों के परिचालन के लिए नित नई उन्नत और नवीनतम तकनीक विकसित होती जा रही है। बावजूद इसके हादसे उतने ही गहरे जख्म भी छोड़ जाते हैं। दरअसल ये हादसा बहानागा रेलवे स्टेशन के पास शालीमार-चेन्नै कोरोमंडल एक्सप्रेस (12841),और सर एम.विश्वेश्वरैया टर्मिनल-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12864) तथा मालगाड़ी एक-दूसरे से टकराने से हुआ। कोरोमंडल एक्सप्रेस डिरेल होकर खड़ी मालगाड़ी से टकराई,डिब्बे गिरे और लोग निकल जान बचाने इधर-उधर भगाने लगे। ठीक उसी समय दूसरे ट्रैक पर यशवंतपुर हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12864)आ गई और पहले से गिरी ट्रेनों से टकरा गई। इसके चलते हादसे का रूप भयंकर वीभत्स और दिल दहला देने वाला हो गया। जान बचाकर भागते कई लोग भी शिकार हो गए। सुबह जब ड्रोन से तस्वीरें मिलने शुरू हुईं तो रोंगटे खड़े कर देने वाले दर्दनाक मंजरों ने और डरा दिया। जबकि बोगियों के अन्दर की तस्वीरें बेहद दर्दनाक थीं। किसी का सर धड़ से अलग था किसी के हाथ-पैर और क्षत-विक्षत शरीर।मालगाड़ी के डिब्बे के ऊपर सवारी गाड़ियों के डिब्बे जिग-जैग पोजीशन में एक-दूसरे के ऊपर 50-55 फीटतक जा चढ़े। कई डिब्बे सैकड़ों मीटर दूर तक जा फिकाए। दोनों ही ट्रेन अपनी पूरी क्षमता से भरी थीं यानी 1750 यात्रियों को लेकर कुल 3500 यात्रियों की क्षमता के साथ अलग-अलग लेकिन पूरी रफ्तार से दौड़ रहीं थीं। एक की रफ्तार 120 किमी तो दूसरी की 125 किमी। इतनी रफ्तार में टकराने से क्या हुआ और होता है, सामने दिख रहा है।पिछले 20 वर्षों में यह सबसे बड़ा हादसा है।

बीते बरस की ही बात है, जीरो रेल एक्सीडेण्ड मिशन में ऑटो ब्रेक सिस्टम पर तेजी से काम की खूब बातें हुईं। ट्रेन प्रोटेक्शन एण्ड वार्निंग यानी टीपीडब्ल्यूएस तकनीक का ढिंढ़ोरा पिटा।वो प्रणाली बताई गई जिसमें गलती की गुंजाइश नहीं। कोई ट्रेन रेड सिग्नल जंप भी कर जाए तो यह वार्निंग प्रणाली उसे रोक देगी। डिवाइस लोकोपायलट के उन क्रियाकलापों को भी मॉनीटर करेगीजिसमें ब्रेक, हार्न, थ्रोटल हैंडल शामिल हैं।यदि कोई लोको पायलटप्रतिक्रिया नहीं देगा या झपकी लग जाए तो ये सिस्टमखुद तुरंत ऐक्टिवेट होकर ब्रेक लगाएगा। यदि ट्रेनों की रफ्तार तय स्पीड से ज्यादा हुई और रेड सिग्नल दिखा तो भी सिस्टम लोको पायलट का रिस्पांस न मिलने परतुरंत खुद सक्रिय होगा तथा धीरे-धीरे ब्रेक लगाकर इंजन बंद कर देगा।इस हादसे पर इससे भी बड़ी विडंबना या मजाक ये कि महज एक दिन पहले ही रेल मंत्रालय ने ट्रेन सुरक्षा पर बड़ा चिंतन शिविर किया। नई तकनीकों पर जोरदार पक्ष रखा।रेल के सफर को सुरक्षित और आरामदेह बनाने पर फोकस किया और दावा कि कवच तकनीक से लैस ट्रेनों का आपस में एक्सीडेंट हो ही नहीं सकता। यहां तक कि यदि ये दो ट्रेन आमने-सामने आ भी जाएं तो यह तकनीक उन्हें खुद ही पीछे की तरफ धकेलने लगेगी मतलब ट्रेन का आगे बढ़ना रूक जाएगा।

दुर्भाग्य देखिए कि कवच की बात सामने आने के चंद घण्टों के भीतर ही यह बड़ा हादसा हो गया। रेलवे बोर्ड से पूरे देश में 34000 किलोमीटर रेल ट्रैक पर कवच सिस्टम लगाने की मंजूरी मिली है। साल 2024 तक सबसे व्यस्त रेल ट्रैक परइसे लगाना है। इस कवच की तकनीक को रिसर्च डिजाइन एंड स्टेंडर्ड ऑर्गनाइजेशन यानी आरडीएओकी मदद से पूरे देश के रेलवे ट्रैक पर लगाया जाना है। हालांकि रेल मंत्री के राज्यसभा में दिए जवाब के मुताबिकयह तकनीक दक्षिण मध्य रेलवे के 1455 रूट पर लग चुकी है। इस पर वर्ष 2021-22 में 133 करोड़ रुपये जबकि 2022-2023 में 272.30 करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य है। रेलवे, ट्रेन में टीपीडब्ल्यूएस सिस्टम भी लागू कर रहा है जो ट्रेन सुरक्षा और चेतावनी प्रणाली का वो सिस्टम हैजिससे एक्सीडेंट कम हो सकते हैं। इसमें हर रेलवे सिग्नल इंजन के कैब में लगी स्क्रीन पर दिखाई देगा। यह घने कोहरे, बारिश या किसी अन्य कारण से खराब मौसम के बावजूद कोई भी सिग्नल मिस नहीं करेगा।ट्रेन की सही गति भी मालूम होती रहेगी ताकि खराब मौसम में नियंत्रित किया जा सके। जब देश में इन दिनों वन्देभारत ट्रेन शुभारंभ की चमकदार तस्वीरें सामने होती हैं, बुलेट ट्रेन की बातें गुदगुदाती हैं तोइसी बीच ऐसी दुर्घटनाओं का काला सच तमाचा बेहद सवालिया होता है। जाहिर है लोग सवाल तो पूछेंगे कि क्या देश में केवल लक्जरी ट्रेनों के संचालन की प्राथमिकता है और आम लोगों की रेलगाड़ियां और पटरी पर कोई ध्यान नहीं? भले ही यह राजनीतिक बहस का विषय बने लेकिन देश में आम सवारी गाड़ियों की हालत ठीक नहीं है। देश के बहुसंख्य आम यात्रिओं की सुविधाओं पर भी ध्यान जरूरी है। सबसे कमाऊ रेलवे जोन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का पूरा ध्यान केवल कोयला ढुलाई पर है। यात्री सेवा में यह जोन सबसे फिसड्डी साबित होता जा रहा है। देश भर में जाने वाली शायद ही कोई गाड़ी यहां अपने सही पर चलती पाती हो?कम से कम बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग पर तो ट्रेनों की लेट-लतीफी ने हदें पार कर दीं। तीसरी लाइन का ज्यादातर हिस्सा चालू हो जाने के बाद यात्री सुविधाओं में इजाफे पर तमाम दावे ढ़िंढ़ोरे बेमानी निकले। इस रूट पर भारत में सबसे ज्यादा यात्री ट्रेनों की लेटलतीफी है। जरूरी और लंबी दूरी की गाड़ियों का 3-4 घण्टे की देरी से चलना एकदम आम है। 8 से 10 घण्टे भी लेट चले तो भी अब हैरानी नहीं होगी। पहले दिन आने वाली ट्रेन दूसरे दिन पहुंचे तो भी लोग हैरान नहीं होते बल्कि नीयति मानते हैं।नई यात्री गाड़ियों तो जैसे सपना हो गया है। जनप्रतिनिधि भी खोखले वायदों का झुनझुना पकड़ा कर लजाते तक नहीं। कोयला गाड़ियां जरूर हर रोज बढ़ जाती हैं। काला सच यह कि कोयला खदानों को देश के लिए तो वरदान हैं, लेकिन यहां के लोग अपने लिएअभिशापमानने लगे हैं। इस रूट पर कोयला गाड़ियों कोसर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके लिए सुपरफास्ट ट्रेनें तक लंबे वक्त तक किसी भी आउटर पर खड़ी कर दी जाती हैं। इतना ही नहीं कोयले के खातिर मेन प्लेटफॉर्म तक कोल सायडिंग में तब्दील हो जाते हैं। बिलासपुर रेल जोन का अमलाई स्टेशन सबूत है।अमलाई का मुख्य प्लेटफार्म कोल सायडिंग की बलि चढ़ गया है। जबरदस्त जनविरोध हुआ तीन दिनों के लिए प्रशासन ने कोल सायडिंग बन्द भी की। लेकिन बिजली संयंत्र की कोयले की सप्लाई की दुहाई भरी स्वप्रेरणा से लिखी चिट्ठी के आगे जनहित बौना साबित हुआ। भारी प्रदूषण और लोक स्वास्थ्य पर मंडराते खतरे से इतर कोयला परिवहन अव्वल साबित हुआ। इसीसेक्शन में डेढ़ महीने पहले 19 अप्रेल को दो मालगाड़ियों की भीषण टक्कर सिंहपुर स्टेशन पर हुई। घटना होम सिग्नल के ओवशूट के चलते हुई। ट्रैक पर खड़ी मालगाड़ी से पीछे से आ रही मालगाड़ी से टकरा गई जिस कारण दूसरी लाइन पर आ रही मालगाड़ी भी टकरा गई। हादसे वाली दोनों मालगाड़ी के डिब्बे तीसरी मालगाड़ी पर जा गिरे और इंजन में आग लग गई। इसमें एक लोको पायलट की मौके पर मौत हो गई और 5 बुरी तरह से घायल हुए। एक गुड्स ट्रेन का लोकोपायलट 15 घण्टों सेलगातार ड्यूटी पर था, कैसे था इस पर सब चुप्पी साधे रहे। चार रेल इंजन क्षतिग्रस्त हुए और 9 कोयले से लदी बोगियां उतर गईं। अरबों का नुकसान हुआ। फिलाहाल बालासोर से 22 किमी दूर घनी आबादी वाले इलाके के पास हुए इस हादसे ने ट्रेन और उससे ज्यादा यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तमाम सवालों की झड़ी लगा ही दी है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव यहां के कलेक्टर भी रह चुके हैं। दुर्घटना की शिकारकोरोमंडल एक्सप्रेस में कोई टक्कर रोधी यानी एंटी-कोलिजन उपकरण नहीं होने की बातें भी सामने आ रही हैं।जिससे एक ही ट्रैक पर चलने वाली ट्रेनें एक निश्चित दूरी पर रुक जाती हैं।

हालाकि कारण पता लगने के दावे जिम्मेदार कर रहे हैं लेकिन फिर भी सवाल कई हैं और आगे भी रहेंगे। लेकिन यह सच है कि शाम को जब कुछ लोग सोने की तैयारी में थे तो कुछ रात का खाना खा रहे थे। कइयों के हाथों में निवाला भी था जिसे पकड़े-पकड़े वो खुद मौत का निवाला बन गए। इंसानियत की मिशाल बचाव दल व स्थानीय लोगों ने जो दिखाई वो काबिले तारीफ है। काश आम भारतीयों की पहले जैसे समय पर चलकर सुरक्षितपहुंचाने वाली ट्रेनें फिर मिल पातीं!आम लोगों के लिए भी ट्रेनों, सुरक्षित और आरामदेह सफर के लिए भी कुछ सोचा जाता? राहत की बात यह है कि प्रधानमंत्री खुद वहां पहुंचे हैं इसलिए पूरे देश के रेल यात्रियों में उम्मीद की किरण बांकी है।

पर्यावरण सुरक्षा की जिम्मेदारी ले समाज

(लेखिका- डॉ. वंदना सेन)

वर्तमान में पर्यावरण सुरक्षा की चिंता पूरे विश्व में की जा रही है, लेकिन यह चिंता धरातलीय रूप लेने में सक्षम नहीं हो रही है। इस कारण जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है। पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं। नदियां समाप्ति की ओर हैं। कुए, बाबड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी अभी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप मानव यही सोचता है कि पेड़ पौधों की बात हो रही है, लेकिन इसका आशय इतना मात्र नहीं, बहुत व्यापक है। प्रकृति में जितने तत्व हैं, वे सभी तत्व हमारे जीवन का आवश्यक अंग हैं। चाहे वह श्वांस हो, जल हो, या फिर खाद्य पदार्थ ही हों। सब प्रकृति की ही देन हैं। विचार कीजिए जब यह सब नहीं मिलेगा, तब हमारा जीवन कैसा होगा?

देश में अनेक संस्थाओं द्वारा पौधारोपण के कार्य भी किए जाते हैं। विसंगति यह है कि पौधारोपण करने के बाद उन पौधों का क्या होता है। यह सब देखने का समय हमारे पास नहीं है। पौधों के लिए जल ही जीवन है और पौधा भी एक जीवित वनस्पति है। अगर किसी पौधे का जीवन जन्म के समय ही समाप्ति होने की ओर अग्रसर होता है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि ऐसा करके हम निश्चित ही एक जीवन की हत्या ही कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हत्या के परिणाम क्या होते हैं, इसे बताने की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन यह सत्य है कि जिस पेड़ की असमय मौत होती है, उसकी आत्मा कराह रही होती है। हम अगर पेड़ या पौधे में जीवन का अध्ययन करें तो हमें स्वाभाविक रूप से यह ज्ञात हो जाता है कि जीवित वनस्पति जब मौत की ओर जाती है, तब उसकी क्या स्थिति होती होगी। अब जरा अपने शरीर का ही विचार कर लीजिए, उसे भोजन नहीं मिलेगा, तब शरीर का क्या हाल होगा। वर्तमान में हम सब पर्यावरण प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। यह सब प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ का ही परिणाम है। हम सभी केवल इस चिंता में व्यस्त हैं कि पेड़ पौधों के नष्ट करने से प्रदूषण बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमने कभी इस बात का चिंतन किया है कि हम प्रकृति संरक्षण के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम प्रकृति से जीवन रूपी सांस को ग्रहण नहीं करते? क्या हम शुद्ध वातावरण नहीं चाहते? तो फिर क्यों दूसरों की कमियां देखने में ही व्यस्त हैं। हम स्वयं पहल क्यों नहीं करते? आज प्रकृति कठोर चेतावनी दे रही है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण हमारे समक्ष महामारियों की अधिकता होती जा रही हैं। अगर हम इस चेतावनी को समय रहते नहीं समझे तो आने वाला समय कितना विनाश कारी होगा, कल्पना कर सकते हैं।

वर्तमान में स्थिति यह है कि हम पर्यावरण को बचाने के लिए बातों से चिंता व्यक्त करते हैं। सवाल यह है कि इस प्रकार की चिंता करने समाज ने अपने जीवन काल में कितने पौधे लगाए और कितनों का संवर्धन किया। अगर यह नहीं किया तो यह बहुत ही चिंता का विषय इसलिए भी है कि जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रभाव और दुष्प्रभावों से भली भांति परिचित है, वही निष्क्रिय है तो फिर सामान्य व्यक्ति के क्या कहने। ऐसे व्यक्ति यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। यह संबंध आज टूटते दिखाई दे रहे हैं। प्राण वायु ऑक्सीजन भी दूषित होती जा रही है। वह तो भला हो कि ईश्वर के अंश के रूप में में भारत भूमि पर पैदा हुआ हमारे इस शरीर में ऐसा श्वसन तंत्र विद्यमान है, जो वातावरण से केवल शुद्ध ऑक्सीजन ग्रहण करता है, लेकिन सवाल यह है कि जिस प्रकार से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुपात में पेड़ पौधों की संख्या बहुत कम है। इतना ही नहीं लगातार और कम होती जा रही है। जो भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। आज के समाज की मानसिकता का सबसे बड़ा दोष यही है कि अपनी जिम्मेदारियों को भूल गया है। अपने संस्कारों को भूल गया है। किसी भी प्रकार की विसंगति को दूर करने के लिए समाज की ओर से पहल नहीं की जाती। वह हर समस्या के लिए शासन और प्रशासन को ही जिम्मेदार ठहराता है। जबकि सच यह है कि शासन के बनाए नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी हमारी है। शासन और प्रशासन में बैठे व्यक्ति भी समाज के हिस्सा ही है। इसलिए समाज के नाते पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। पौधों को पेड़ बनाने की दिशा में हम भी सोच सकते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए हम कपड़े के थैले का उपयोग कर सकते हैं। अभी ज्यादा संकट नहीं आया है,

इसलिए क्यों नहीं हम आज से ही एक अच्छे नागरिक होने का प्रमाण प्रस्तुत करें। क्योंकि दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है।

पिछले एक साल से कोरोना संक्रमण के चलते हमारी जीवन चर्या में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिसमें हर व्यक्ति को अपने जीवन के लिए प्रकृति का महत्व भी समझ में आया, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस परिवर्तन के अनुसार हम अपने जीवन को ढाल पाएं हैं? यकीनन नहीं। वर्तमान में हमारा स्वभाव बन चुका है कि हम अच्छी बातों को ग्रहण करने के लिए प्रवृत नहीं होते। जीवन की भी अपनी प्रकृति और प्रवृति होती है।

इसी कारण कहा जा सकता है कि जो व्यक्ति प्रकृति के अनुसार जीवन यापन नहीं करता, उसका प्रकृति कभी साथ नहीं देती। हमें घटनाओं के माध्यम से जो संदेश मिलता है, उसे जीवन का अहम हिस्सा बनाना होगा, तभी हम कह सकते हैं कि हमारा जीवन प्राकृतिक है।

(लेखिका जीवाजी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध पीजीवी महाविद्यालय में विभागाध्यक्ष हैं)

पहलवानों पर अपराधिक साजिश और फर्जीवाड़े का मुकदमा?

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष और भाजपा के सांसद, बृजभूषण शरण सिंह को बचाने के लिए सरकार ने पूरी ताकत लगा दी है। अंग्रेजों ने जो कानून बनाए थे। वह कानून अंग्रेजों को पूरी तरीके से सुरक्षित कवच उपलब्ध कराने का काम करते थे।वह कानून और वह मानसिकता आज भी वर्तमान शासकों में बनी हुई है।उस सोच में कोई बदलाव नहीं आया है, यह स्पष्ट है।किसी भी महिला को यौन उत्पीड़न की शिकायत करना उसके जीवन की सबसे ज्यादा कष्टप्रद स्थिति होती है। सामाजिक व्यवस्था में महिला के यौन संबंधों के आधार पर उसका पूरा जीवन टिका होता है। सीता मैया जैसी सती को अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ा था, यह सत्य है।पिछले कई वर्षों से भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह महिला खिलाड़ियों का यौन शोषण कर रहे थे। जो लड़कियां कुश्ती जैसे खेल में अपना प्रदर्शन कर रही थी।उन्होंने अपने परिवार को किस तरह कुश्ती के खेल और घर से बाहर निकलने के लिए मनाया होगा।उन्हें किस तरह से माता-पिता की अनुमति मिली होगी। यह भारतीय सामाजिक व्यवस्था में आसानी से समझा जा सकता है। खेल के मैदान में जब कुश्ती संघ के अध्यक्ष ही उनके भविष्य को बनाने और बिगाड़ने के लिए यौन उत्पीड़न के हथियार का उपयोग करें। ऐसी स्थिति में उसके लिए या तो एक और कैरियर होता है। कैरियर के लिए यौन उत्पीड़न से समझौता कर आगे बढ़ जाती हैं। दूसरे विकल्प के रूप में यदि वह विरोध करती हैं, तो बदनामी का डर होता है। दूसरे विकल्प में उसके हाथ में कुछ नहीं आता है। विरोध करने पर सारे लोग वैसे ही आक्षेप महिला पर लगाते हैं, जैसे आज लग रहे हैं। इन महिला खिलाड़ियों ने वैश्विक पदक जीतने के बाद, उन्हें यह भरोसा हो गया, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें अपनी बेटी मानते हैं। सारा देश उन्हें विश्व विजेता के रूप में देख रहा है। ऐसी स्थिति में उन्हें अब न्याय मिल सकता है। महिला खिलाड़ियों के साथ जो अन्याय हो रहा है। इसके खिलाफ उनमे आवाज उठाने की हिम्मत आई। लेकिन महिला खिलाड़ी भूल गई थी, कि उनसे भी ताकतवर शख्स जो भारतीय जनता पार्टी को 5 लोकसभा सीटें जिता सकता है। कई बार का सांसद है। उसके सामने उनकी और उनके मेडल की कोई हैसियत सरकार के लिए नहीं है। भारतीय दंड संहिता में जिस तरह से जांच एजेंसियाँ जांच करती हैं, अपने हिसाब से मुकदमा तैयार करना उनके लिए आसान होता है। जांच एजेंसी ने गलत तरीके से जांच की है। तथ्यों को अनदेखा किया है। उसकी कोई जिम्मेदारी उसके विवेक पर आधारित होती है। जांच एजेंसी ने किसी को फंसाया है, जांच में तथ्यों को अनदेखा किया है, किसी को बचाने का प्रयास किया है। यह प्रमाणित हो जाता है,तो भी उसको बचाने की पूरी कोशिश सरकार और न्यायालय द्वारा की जाती हैं। जिसके कारण शासक जैसा चाहते हैं। कानून का उपयोग वैसा कर पाते हैं। सरकार और जांच एजेंसी जिसे बचाना चाहती हो, जिसे फसाना चाहती है, वह उसके हाथ में होता है। ईडी सीबीआई और जांच एजेंसियों के बारे में यही शिकायतें बड़ी आम हो चली है। महिला पहलवानों के शिकायत की दिल्ली पुलिस जांच कर रही है। पाक्सो एक्ट में दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार यौन अपराध में पुलिस को तुरंत एफआइआर करनी चाहिए।यदि नाबालिग बच्ची के साथ यौन अपराध हुआ है। तो पाक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज होना चाहिए। आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी होनी चाहिए। जांच कर मामले को न्यायालय के सामने पेश करना चाहिए। महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न की शिकायत 6 माह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की थी। उन्हें विश्वास था, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यौन उत्पीड़न से खिलाड़ियों को मुक्ति दिलाएंगे। लेकिन यहां पर भी महिला पहलवान कमजोर पड़ गए।पुलिस आरोपी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास जांच के नाम पर कर रही है। उसे गिरफ्तारी के बाद जांच करनी थी। सांसद बृजभूषण सिंह कितने ताकतवर हैं। इसका अंदाजा देश भर में सभी को हो गया है। वह खुलेआम अपने आप को बचाने के लिए जिस तरह का दबाव, खिलाड़ियों के माता-पिता और उन्हें समर्थन देने वाले लोगों के विरुद्ध खुलेआम कर रहे हैं।लड़की के चाचा को लाकर मीडिया में उससे बयान दिलवा रहे हैं। जाट और खाप पंचायतों को खुलेआम धमकाने का काम सांसद कर रहा है। अपने आप को बचाने के लिए संतों की रैली और लाखों लोगों की भीड़ जुटाने की तैयारी कर रहा था। मीडिया खिलाड़ियों के आंदोलन और उनकी बातों को कवर नहीं किया। आरोपी को बचाने का काम मीडिया करता रहा जो उसके सामर्थ्य का प्रतीक है। पुलिस सब कुछ देखते हुए भी, कार्रवाई करने के स्थान पर आरोपी को खुला छोड़ रखा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड -19 का असर, 90 करोड़ में बिकी 1800 करोड़ की नेस्टअवे कंपनी

नई दिल्ली ।

कोविड-19 का ऐसा असर हुआ कि 1800 करोड़ की नेस्टअवे नामक कंपनी केवल 90 करोड़ में बिकी। जानकारी के अनुसार रेंट पर फ्लैट्स या घर की सर्विस देने वाले बेंगलुरू के स्टार्टअप नेस्टअवे का ऑरम प्रॉपटेक ने उसके मूल्यांकन से 95 फीसदी कम पर अधिग्रहण कर लिया है। 2019 में कंपनी का मूल्यांकन 1800 करोड़ रुपये था लेकिन इसकी बिक्री 90 करोड़ में हुई है। केवल 3 साल के अंदर ही कंपनी का ग्राफ तेजी से नीचे गिरा। इसके पीछे कोविड-19 एक बड़ा कारण बताया जा रहा है। लोग तब अपने-अपने घरों को वापस लौटे और नेस्टअवे के बिजनेस को जबरदस्त चोट पहुंची। इसका अधिग्रहण करने वाली ऑरम ने पिछले ही साल हेलो वर्ल्ड नामक एक स्टार्टअप का अधिग्रहण किया था। इस कंपनी को पहले नेस्टअवे ने खरीदा था फिर उससे ऑरम ने खरीदा। अब ऑरम ने नेस्टअवे को भी खरीद लिया है। हेलो वर्ल्ड के संस्थापक जितेंद्र जगदेव और इस्माइल खान ही अब अधिग्रहित नेस्टअवे की कमान संभालेंगे। ऑरम अब नेस्टअवे में करीब 30 करोड़ रुपये का और निवेश करेगी। ऑरम ने एक बयान जारी कर इसकी सूचना दी है। गौरतलब है कि नेस्टअवे की नींव अमरेंद्र साहू, दीपक धार, स्मृति परिदा ने 2015 में डाली थी। इस कंपनी ने आखिरी फंडिंग 2019 में हासिल की थी। तब इसका वैल्यूएशन 2215 करोड़ डॉलर था जो आज के हिसाब से 1854 करोड़ रुपये बनता है। हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों द्वारा वर्क फ्रॉम होम के चलते वापस घर लौटने से इनके बिजनेस पर काफी असर हुआ। कोविड-19 से पहले जहां इनकी वेबसाइट पर 50,000 प्रॉपर्टी थी और कंपनी साल में 100 करोड़ का रेवेन्यू भी जेनरेट कर चुकी थी। वहीं, महामारी के बाद प्रॉपर्टीज घटकर 18,000 रह गईं और रेवेन्यू 30 करोड़ तक लुढ़क गया।

टाटा लगाएगा लिथियम-आयन बैटरी गीगा फैक्ट्री

गुजरात में करेगा 13,000 करोड़ का निवेश

मुंबई ।

भारत के दिग्गज बिजनेस ग्रुप, टाटा ग्रुप ने गुजरात में लिथियम-आयन सेल मैन्युफैक्चरिंग गीगा फैक्ट्री स्थापित करने की अपनी योजना की घोषणा की। परियोजना के प्रारंभिक चरण में, टाटा समूह 13,000 करोड़ का निवेश करेगा। यह निवेश देश की अपनी इलेक्ट्रिक वाहन आपूर्ति श्रृंखला बनाने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। 2 जून 2023 को टाटा समूह समर्थित सहायक अग्रतास एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशन और गुजरात सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। गुजरात राज्य सरकार के अधिकारी विजय नेहरा ने बताया, यह प्लांट गुजरात और भारत में ईवी इकोसिस्टम के विकास में योगदान देने के लिए एक लंबा रास्ता तय करेगा। साणंद क्षेत्र में स्थित योजना पर काम होगा। पहले चरण में, प्लांट की प्रारंभिक निर्माण क्षमता 20 गीगावाट घंटे होगी। दूसरे चरण में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता दोगुनी होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, परियोजना के तीन साल से कम समय में शुरू होने की उम्मीद है।

भारत का रूस से कच्चा तेल आयात मई में प्रतिदिन 19.6 लाख बैरल हुआ

नई दिल्ली । भारत का रूस से सस्ते कच्चे तेल का आयात मई माह में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। उद्योग के आंकड़ों से पता चलता है कि अब रूस से आयात सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अमेरिका से सामूहिक रूप से खरीदे गए तेल के आंकड़े को भी पार कर गया है। वॉर्टेक्सा के आंकड़ों के मुताबिक भारत ने मई में रूस से प्रतिदिन 19.6 लाख बैरल तेल का आयात किया, जो अप्रैल के पिछले उच्चस्तर से 15 प्रतिशत अधिक है। अब भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत हो गई है। यह हाल के सालों में किसी एक देश के लिए सबसे अधिक हिस्सेदारी है। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात पश्चिम एशिया के परंपरागत आपूर्तिकर्ताओं की कीमत पर बढ़ा है। पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से भारत के आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। यह लगातार आठवां महीना है जबकि रूस, भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। मई में सऊदी अरब से तेल का आयात घटकर 5,60,000 टन पर आ गया। यह फरवरी, 2021 के बाद सबसे निचला स्तर है। मई में तेल निर्यातक देशों के संगठन-ओपेक की भारत के कच्चा तेल आयात में हिस्सेदारी घटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 39 प्रतिशत पर आ गई। किसी समय ओपेक की भारत की तेल खरीद में 90 प्रतिशत तक हिस्सेदारी होती थी। इराक ने मई में भारत को 8.3 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) तेल का निर्यात किया। वहीं संयुक्त अरब अमीरात ने 2,03,000 बैरल प्रतिदिन की आपूर्ति की। आंकड़ों से पता चलता है कि इस दौरान अमेरिका से आयात 1,38,000 बैरल प्रतिदिन रहा। कच्चे तेल को रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल में बदला जाता है।

(शेयर बाजार समीक्षा) रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा से तय होगी बाजार की चाल

- डॉलर के मुकाबले रुपए के रुख तथा कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी

मुंबई । बीते सप्ताह वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई लिवाली की वजह से मामूली बढ़त पर रहे घरेलू शेयर की चाल इस सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजारों के मिलेजुले संकेत से घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा। अमेरिकी ऋण सीमा सौदे की स्वीकृति ने अमेरिकी डिफॉल्ट को रोक दिया और वैश्विक निवेशकों के बीच आशा उत्पन्न की है। निवेशक अब फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक समीक्षा नीति का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि फेड अधिकारियों ने जून में संभावित दर वृद्धि को स्थगित करने का संकेत दिया है। घरेलू स्तर पर वस्तु एवं सेवा कर (जीडीपी) आंकड़ों के अपेक्षाओं से अधिक होने और चौथी तिमाही की मजबूत आय ने घरेलू बाजार की विकास संभावनाओं को बल दिया है। इसके अलावा मई में वाहनों की बिक्री ने एक क्रमिक सुधार प्रदर्शित किया, जिससे ऑटो क्षेत्र में सुधार की भावना को बढ़ावा मिला है। इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में रुपए के प्रदर्शन और एफआईआई की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी बाजार के रुख पर असर डालेंगी।बाजार के विशेषज्ञ ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक छह जून को शुरू होगी। बैठक के नतीजों की घोषणा आठ जून को होगी। एमपीसी की बैठक पर बाजार भागीदारों की नजदीकी नजर रहेगी। इसके अलावा मानसून की प्रगति भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपए के रुख तथा कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी। सोमवार को सेवा क्षेत्र के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े आएंगे।

टमाटर और तेल हुआ सस्ता, लेकिन चावल, दाल और गेंहूं के बढ़े दाम

नई दिल्ली ।

खुदरा महंगाई के अप्रैल में गिरकर 4.7 फीसदी पर पहुंचने का असर जमीनी स्तर पर दिख रहा है। जरूरी वस्तुओं की कीमतों में भारी कमी आई है। टमाटर एक साल में 50 फीसदी सस्ता हुआ है, खाने वाले तेलों की कीमतें भी घटी हैं। गेहूं, चावल, आटा और दाल के दाम अभी भी ऊपर बने हुए हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, दो जून, 2023 को आलू की कीमत प्रति किलो 21.33 रुपए थी, जो एक साल पहले 24.12 रुपए थी। प्याज का दाम 23.81 से घटकर 22.34 रुपए, चाय की कीमत 284.21 से घटकर 275.61 रुपए और टमाटर की कीमत 52 रुपए किलो से कम होकर 25 रुपए किलो पर आ गई है।आंकड़े बताते हैं कि जरूरी वस्तुओं में ज्यादातर के दाम एक साल में घटे हैं। हालांकि, इस दौरान चावल का दाम 36.16 रुपए किलो से बढ़कर 39.49 रुपए किलो, गेहूं की कीमत 27.51 रुपए से बढ़कर 29.09 रुपए और आटा की कीमत 31.31 से बढ़कर 34.31 रुपए किलो पर पहुंच गई है। चना दाल का दाम 73.95 से बढ़कर 74.68 रुपए, उड़द दाल का दाम 105.09 से बढ़कर 110.58 रुपए किलो हो गया है। वहीं मूंगदाल की कीमत 102.80 रुपए से 109.16 रुपए, चीनी की कीमत 41.75 से बढ़कर 42.62 रुपए और मूंगफली तेल की कीमत 186 से बढ़कर 190 रुपए पर पहुंच गई है। हालांकि, मसूर दाल इसी दौरान 96.85 से घटकर 92.33 रुपए किलो पर आ गई है। यह कीमतें पूरे देश में औसत आधार पर हैं। खुदरा महंगाई लगातार घट रही है और मार्च में यह गिरकर 5.66 फीसदी पर आ गई थी, जबकि फरवरी में 6.44 फीसदी पर थी। महंगाई घटने से आरबीआई ने रेपो दर में वृद्धि का सिलसिला भी रोक दिया है।

महंगाई घटने की वजह से ब्याज दरों को यथावत रख सकता है आरबीआई

मुंबई (ईएमएस)।

यदि महंगाई घटती है तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी ब्याज दरों को यथावत रख सकती है। बाजार के जानकार इस तरह के कयास लगा रहे हैं। हालों कि अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में आई गिरावट और आगे इसमें और राहत मिलने की उम्मीद के बीच आठ जून को नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रख सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूर्व में नीतिगत मोर्चे पर की गई कार्रवाई के प्रभावी रहने का संकेत होगा। जानकारी के अनुसार रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक छह से आठ जून तक होनी है। गौरतलब है कि अप्रैल में पिछली एमपीसी बैठक में आरबीआई ने ब्याज दर वृद्धि को रोक दिया था और रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा था। इससे पहले महंगाई पर लगाम लगाने के लिए मई, 2022 के बाद से लगातार वृद्धि करते हुए नीतिगत दर रेपो में 2.5 प्रतिशत वृद्धि की गई थी। एमपीसी की बैठक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति के अप्रैल में 18 महीनों के निचले स्तर 4.7 प्रतिशत पर आने के बाद हो रही है।

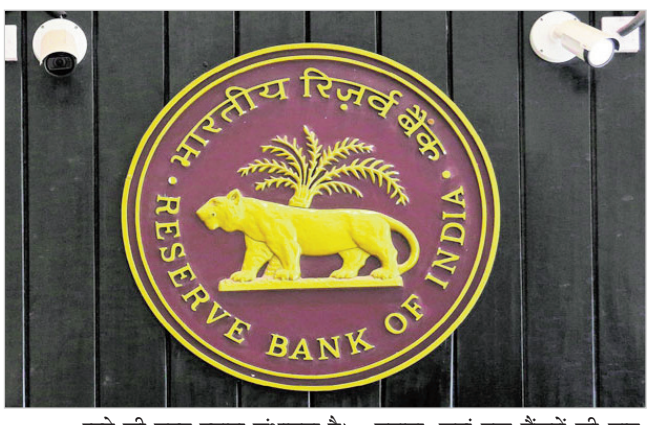

आरबीआई गवर्नर ने हाल ही में संकेत दिए थे कि मई में यह आंकड़ा अप्रैल से भी नीचे जा सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि आरबीआई की ब्याज दरों पर विराम लगाने और नीतिगत दर रेपो के 6.5 प्रतिशत पर ही रहने की बहुत ज्यादा संभावना है। मई के लिए सीपीआई की घोषणा 12 जून को होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआई की मानसून की प्रगति पर भी नजर है और अल नीनो खरीफ की फसल पर दुष्प्रभाव डाल सकता है, जिससे कीमतों पर भी प्रभाव पड़ सकता है। बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश कर्नाटक ने बताया, जहां तक बैंकरों की बात है, मैं सिर्फ यही कहूंगा कि रिजर्व बैंक की नीतिगत दर रेपो पहले ही 2.5 प्रतिशत बढ़ चुकी है। बैंकिंग के मामले में बाजार से अपेक्षाएं हैं कि हम रेपो दर में वृद्धि की बिल्कुल उम्मीद नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह पहले ही काफी बढ़ चुकी है और मुद्रास्फीति नीचे आई है।

छोटी बचत पर टैक्स चोरी रोकने आईटी डिपार्टमेंट कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली ।

अब आईटी विभाग छोटी बचत पर भी अपनी नजर रखेगा। इस हेतु इनकम टैक्स डिपार्टमेंट टैक्स चोरी को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चला रहा है। विभाग कड़ाई से सभी आईटीआर रिटर्न्स और निवेशों पर नजर बनाए हुए हैं। हाल ही में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने स्मॉल सेविंग्स पर 'बेनामी डिपॉजिट्स' को पकड़ा है। इसपर विभाग की कड़ी नजर है। ये वो डिपॉजिट्स हैं जिनका आईटीआर रिटर्न में कहीं भी जिक्र नहीं है। इनकम टैक्स विभाग के मुताबिक, डिपार्टमेंट ने स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर 50 लाख से ज्यादा निवेश को अपने जांच के घेरे में लिया है। ये वो डिपॉजिट्स हैं जो किसान विकास पत्र और नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट के जरिए किये गए हैं। इनकम टैक्स के शिकंजे पर स्मॉल सेविंग स्कीम्स किसान विकास पत्र और नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट के कई लोगों की 'बेनामी डिपॉजिट्स हैं। इसके लिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उनलोगों को नोटिस भेज रहा है जिनका 1 करोड़ से ज्यादा का बिना आईटीआर रिटर्न का डिपॉजिट है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये निवेश माइनर और बच्चों के नाम पर किये गए हैं। अबतक इनकम टैक्स डिपार्टमेंट 150 लोगों को नोटिस भेज चुका है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इनकम टैक्स विभाग ने पोस्ट ऑफिसेस को अपने अकाउंट होल्डर्स की केवायसी यानि नो योर कस्टमर का वेरिफिकेशन दोबारा करने को कहा है। इसमें स्मॉल सेविंग स्कीम के वो निवेशक हैं जिन्होंने 10 लाख या उससे ज्यादा का निवेश कर रखा है। जानकारी के अनुसार निवेशकों को लो रिस्क, हाई रिस्क और गंभीर रिस्क की केटेगरी में डालकर जांच किया जायेगा। एनआरआई और एचएनआई यानि नॉन इंडियन रेजिडेंट और हाई नेट-वर्थ इंडिविजुअल यानि जिनकी इनकम बहुत ज्यादा है। वो इन स्मॉल सेविंग स्कीम्स में निवेश नहीं कर सकते है। हाल ही में डाक विभाग ने मास्टर सर्कुलर जारी किया था। सर्कुलर के मुताबिक, डाक विभाग ने पोस्ट ऑफिसेस से उन सभी अकाउंट को फ्रीज करने को कहा था जो केवायसी के नियमों का सही से पालन नहीं कर रहे हैं।

सब्सिडी घटने के बाद हीरो मोटोकॉर्प ने ई-स्कूटर विडा वी1 प्रो की कीमत बढ़ाई

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख दोपहिया कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर सब्सिडी घटने के बाद अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर विडा वी1 प्रो की कीमत में करीब 6,000 रुपए की बढ़ोतरी की है। यह वृद्धि एक जून से लागू हो गई है। कंपनी का प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर विडा वी1 प्रो अब फेम-दो सब्सिडी और पोर्टेबल चार्जर सहित 1,45,900 रुपए में उपलब्ध होगा। यह पहले के दाम से करीब 6,000 रुपए बढ़ा है। कंपनी के एक डीलर ने कहा कि फेम-दो के तहत एक जून से सब्सिडी में कटौती का ज्यादातर बोझ कंपनी ने खुद वहन किया और ग्राहकों पर इसका काफी सीमित भार डाला है। इस बारे में कंपनी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। भारी उद्योग मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अधिकतम सब्सिडी सीमा को 40 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार फेम-दो में संशोधन के बाद सब्सिडी में लगभग 32,000 रुपए प्रति इकाई की कमी आई है। पहले ही कई इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनियां अपने इलेक्ट्रिक मॉडलों के दाम बढ़ा चुकी हैं। टीवीएस मोटर ने कहा है कि फेम-दो योजना में संशोधन के बाद उसने अपने मॉडल आईक्यूब का दाम संस्करणों के आधार पर 17,000 से 22,000 रुपए बढ़ाया है।

शेयरों में आए भारी उछाल से निवेशकों को मिलेगा कमाई का बड़ा मौका

-एसबीआई लाइफ सहित चार कंपनियों के शेयर दे सकते हैं 60 फीसदी तक रिटर्न

नई दिल्ली ।

शेयरों में भारी उछाल के चलते निवेशकों को इस समय कमाई का अच्छा मौका मिल सकता है। गौरतलब है कि शेयर मार्केट में इन दिनों लगातार तेजी देखी जा रही है। पिछले करीब 2 महीने से तमाम उतार चढ़ाव के बावजूद सेंसेक्स में बढ़ोतरी हो रही है। बीते 24 मार्च से लेकर अब तक यह करीब 8.73 फीसदी चढ़ चुका है। वहीं, सेंसेक्स ब्रॉडर भी मार्केट के इस रुख में साथ देता दिखाई दे रहा है। इस बीच कुछ कंपनियों के शेयर लगातार अपनी बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में निवेशकों के लिए इन शेयरों की पहचान कर उनमें पैसा लगाना फायदेमंद हो सकता है। जानकारों का कहना है कि यदि मार्केट की तेजी का लाभ उठाना चाहते हैं तो रॉयल आर्किड होटल्स, लेमन ट्री होटल्स, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस जैसे शेयरों पर दांव लगा सकते हैं। क्यों कि इन 4 कंपनियों के शेयरों में मौजूदा स्तर से 30 फीसदी से लेकर 60 फीसदी तक की तेजी आ सकती है। हालांकि रॉयल ऑर्किड होटल्स के शेयरों में पिछले कुछ समय से लगातार तेजी देखी जा रही है। शुक्रवार को इसके शेयर बीएसई पर 4.55 फीसदी की तेजी के साथ 327.20 रुपये के भाव पर बंद हुए। घरेलू ब्रोकरेज फर्म इडलवाइज ने इस शेयर में मौजूदा स्तर से 60.48 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है। ब्रोकरेज ने इस स्टॉक को 549.00 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है। हालांकि, शुक्रवार को एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शेयरों में बीएसई पर 0.15 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई और कंपनी के शेयर 1,205.65 रुपये के भाव पर बंद हुए। घरेलू ब्रोकरेज फर्म एचडीएफसी सिक्योरीटीज को एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शेयरों में मौजूदा स्तर से करीब 31.39 फीसदी की तेजी का अनुमान लगाया है। इस शेयर के लिए ब्रोकरेज ने 1580.00 रुपये का टारगेट प्राइस फिक्स किया है। घरेलू ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल को प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स के शेयरों में मौजूदा स्तर से 37.71 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान है। ब्रोकरेज ने इस स्टॉक के लिए 675.00 रुपये का टारगेट प्राइस फिक्स किया है। शुक्रवार को इसके शेयर बीएसई पर 0.63 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 490.85 रुपये के भाव पर बंद हुए। ब्रोकरेज को लेमन ट्री होटल्स के शेयरों में मौजूदा स्तर से करीब 47.79 फीसदी की तेजी आने की उम्मीद है। ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई सिक्योरीटीज ने चौथी तिमाही के नतीजों के बाद इस शेयर का टारगेट प्राइस बढ़ाकर 137.00 रुपये कर दिया है।

वैश्विक बाजार के मिले-जुले रुख से मामूली बढ़त पर रहे घरेलू शेयर

- आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा का बाजार पर पड़ेगा असर

मुंबई ।

वैश्विक बाजार के मिले-जुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह मामूली बढ़त पर घरेलू शेयर रहे। अगले सप्ताह में रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से दिशा निर्धारित होगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 45.42 अंक की मामूली बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 62547.11 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 34.75 अंक बढ़कर 18534.10 अंक पर पहुंच गया।

समीक्षाधीन सप्ताह बीएसई की दिग्गज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों के प्रति निवेशधारणा अधिक मजबूत रही। इससे मिडकैप 490.95 अंक अर्थात 1.8 प्रतिशत की छलांग लगाकर 27294.10 अंक और स्मॉलकैप 723.04 अंक यानी 2.4 प्रतिशत उछलकर 30885.70 अंक पर रहा।

घरेलू स्तर पर वस्तु एवं सेवा कर (जीडीपी) आंकड़ों के अपेक्षाओं से अधिक होने और चौथी तिमाही की मजबूत आय ने घरेलू बाजार की विकास संभावनाओं को बल दिया है। इसके अलावा मई में वाहनों की बिक्री ने एक क्रमिक सुधार प्रदर्शित किया, जिससे ऑटो क्षेत्र में सुधार की भावना को बढ़ावा मिला है। आगामी सप्ताह में 6 से 8 जून को होने वाली आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के परिणाम के अलावा पीएमआई और अमेरिकी रोजगार आंकड़े बाजार की दिशा निर्धारित करेंगे।

अगले सप्ताह बाजार को दिशा देने में रुपये के प्रदर्शन और एफआईआई की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी। एफआईआई मई में कुल 27856.48 करोड़ रुपये के शुद्ध लिवाल रहे हैं। वहीं, इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3306.35 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। इसी तरह एफआईआई जून में अब तक 729.95 करोड़ रुपये के लिवाल रहे, वहीं डीआईआई का कुल निवेश 1070.78 करोड़ रुपये रहा।

बीते सप्ताह बाजार में तीन दिन तेजी रही, जबकि दो दिन गिरावट रही।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन के दाम में आई गिरावट

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह आयातित खाने के तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में देशी तेल-तिलहनों के भाव पहले से भी ज्यादा दबाव में आ गए और लगभग सभी तेल-तिलहनों के दाम पिछले सप्ताहांत के मुकाबले नुकसान दर्शाते बंद हुए। सूत्रों के अनुसार पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 80 रुपए की गिरावट के साथ 4,850-4,950 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का भाव क्रमशः 25 और 30 रुपए टूटकर क्रमशः 5,055-5,130 रुपए और 4,830-4,905 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के भाव भी क्रमशः 150 रुपये, 350 रुपए और 200 रुपए लुढ़ककर क्रमश9,500 रुपए, 9,100 रुपए और 7,800 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। खाद्य तेल कीमतों में गिरावट के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड के भाव क्रमशः 170 रुपए, 500 रुपए और 65 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 6,200-6,260 रुपए, 15,500 रुपए और 2,335-2,600 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 550 रुपए घटकर 7,850 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 300 रुपए टूटकर 9,200 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन एक्स कांडला का भाव भी 150 रुपए के नुकसान के साथ 8,400 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह बिनौला तेल भी समीक्षाधीन सप्ताह में 150 रुपए की गिरावट दर्शाता 8,200 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरकार इरेडा के आईपीओ के लिए सितंबर तक जमा करा सकती है दस्तावेज

नई दिल्ली ।

सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरेडा) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सितंबर तक दस्तावेजों का मसौदा जमा करा सकती है। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय यह जानकारी दी है। पांडेय ने कहा कि हमने मर्चेंट बैंकरों की नियुक्ति की है और वे मूल्यांकन के साथ आगे बढ़ेंगे। हम तीन-चार माह में दस्तावेजों का मसौदा दाखिल कर पाएंगे। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के तहत सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम इरेडा नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण उपलब्ध कराती है। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने पिछले महीने सरकार की कुछ हिस्सेदारी बेचकर इरेडा की सूचीबद्धता को मंजूरी दी थी। सरकार नए शेयर जारी कर इरेडा के लिए धन जुटाना चाहती है। इरेडा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है।

मार्च, 2022 में सरकार ने इरेडा में 1,500 करोड़ रुपए की पूंजी डाली थी। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी ने अपना सबसे ऊंचा 865 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था।

विश्व टेस्ट चैम्पियन से पहले इन कारणों से टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ीं

लंदन । (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जून से शुरु हो रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम की नजरें जीत दर्ज करने पर रहेंगी। पिछली बार 2021 में साउथैम्पटन में खेले गए फाइनल में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब भारतीय टीम को लक्ष्य इस मुकाबले में किसी भी प्रकार जीत हासिल करना रहेगा। भारतीय टीम की राह हालांकि आसान नहीं रहेगी। फाइनल से पहले ही टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल में बल्लेबाजी के दौरान विफल रहे थे जिससे उनके फार्म पर संदेह है। आईपीएल से पहले जरूर रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अच्छी शुरुआत की थी। उन्होंने नागपुर टेस्ट में 120 रन की पारी खेली थी और भारत की जीत में अहम रोल निभाया था पर इस प्रदर्शन को वह बरकरार नहीं रख पाये।

रोहित ने इसकी अगली 5 टेस्ट पारियों में 3 बार 30 से अधिक रन बनाए पर इसे एक बार भी बड़ी पारी में बदल नहीं पाए। एकदिवसीय और टी20 में भी उनका यही हाल रहा। फाइनल के लिए तैयारी कर रही भारतीय टीम की एक और परेशानी खिलाड़ियों का टी20 से टेस्ट प्रारुप की ओर मानसिक तौर पर तैयार करना है। ज्यादातर खिलाड़ी टी20 से सीधे लंबे प्रारुप में खेलेंगे। फाइनल के लिए भारतीय दल में शामिल चेतेश्वर पुजारा और केएस भरत को छोड़कर, अन्य सभी आईपीएल में खेले थे। केवल पुजारा इस महामुकाबले से पहले अच्छी लय में है। उन्होंने काउंटी चैम्पियनशिप डिवीजन टू में ससेक्स की ओर से 8 पारियों में 68 की औसत से 545 रन बनाए हैं।

कुछ खिलाड़ी आईपीएल 2023 से जल्दी बाहर होने के बाद सीधे इंग्लैंड पहुंच गए थे पर उन्होंने भी कोई अभ्यास मैच नहीं खेला है। इसका भी नुकसान टीम को होगा क्योंकि अभी भी खिलाड़ी टी20 की मानसिकता में हो सकते हैं। टीम का मध्य क्रम थोड़ा कमजोर है। कई अहम बल्लेबाजों के चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी में भारतीय टीम थोड़ी कमजोर दिख रही है। विकेटीपर बल्लेबाज के तौर पर ईशान किशन या केएस भरत में से जिसे अवसर मिलता है

ये देखना होगा। मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर की जगह पर पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। रहाणे को खराब फॉर्म के कारण टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया था परघरेलू क्रिकेट और आईपीएल 2023 में दमदार प्रदर्शन के बल पर उनकी वापसी हुई है।

घुटने की चोट के कारण रवि दहिया बिश्केक रैंकिंग सीरीज से हटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिश्केक। ओलंपिक रजत पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया रविवार को यहां अभ्यास के दौरान घुटने में चोट लगने के कारण बिश्केक रैंकिंग सीरीज कुश्ती प्रतियोगिता से हट गये। दहिया को 61 किग्रा भार वर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड में किर्गिस्तान के ताइरबेक जुमाशबेक उलु से भिड़ना था। पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 57 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद दहिया पहली बार किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे। भारत के सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य ने कहा,'' उनका (दहिया) घुटना चोटिल हो गया है।''

इस बीच इसी भार वर्ग में पंकज ने जॉर्जिया के जियोर्गी गोनियाशविली पर 8-2 से पराजित करके क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना हमवतन अमन सहरावत से होगा। भारत के एक अन्य पहलवान मुलायम यादव ने भी 70 किग्रा भार वर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड में जीत दर्ज की। उन्होंने कजाकिस्तान के दोझान असेटोव को आसानी से 9-4 से हराया। भारत ने अभी तक इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते हैं। शनिवार को महिला पहलवानों में तीन पदक जीते जबकि एक पदक ग्रीको रोमन के पहले मनजीत ने जीता।

डब्यूटीसी फाइनल में करो या मरो जैसी स्थिति होगी रहाणे के लिए

लंदन। (एजेंसी)। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 18 महीने के लंबे इंतजार के बाद भारत की तरफ से अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जून से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उनके लिए करो या मरो जैसी स्थिति हो सकती है। टी20 प्रारूप से पांच दिवसीय प्रारूप में ढल रहे रहाणे चीजों को सरल बनाए रखना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद होगी कि जिस शानदार टाइमिंग से उन्होंने आईपीएल में रन बनाए, वह लंदन में भी उनके साथ बनी रहेगी। रहाणे का भारत के अंतिम एकादश में जगह बनाना लगभग तय है। रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को 2022 के शुरू में दक्षिण अफ्रीका से श्रृंखला गंवाने के बाद बाहर कर दिया गया था।

पुजारा ने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करके पहले ही राष्ट्रीय टीम में वापसी कर दी थी। अब तक 82 टेस्ट मैच खेल चुके रहाणे को राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। उन्होंने रणजी ट्रॉफी और हाल में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टीम में वापसी की। लेकिन यदि श्रेयस अय्यर चोटिल नहीं होते तो फिर रहाणे के लिए वापसी करना मुश्किल होता। अय्यर मध्यक्रम में खुद को साबित कर चुके हैं और ऐसे में रहाणे जब ओवल में क्रीज पर उतरेंगे तो उनके लिए करो या मरो जैसी स्थिति होगी। रहाणे को आगे की श्रृंखलाओं के लिए टीम में अपना स्थान पक्का करने के लिए हर हाल में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

रहाणे की कप्तानी में भारत ने 2021 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया था। तब उन्होंने अपने खेत और नेतृत्व कौशल से काफी प्रभावित किया था। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ रहाणे अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। यह अलग बात है कि उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है जिसके कारण उनका टेस्ट औसत 38.52 है। डब्ल्यूटीसी फाइनल में रहाणे पर कप्तानी का दबाव नहीं होगा और ऐसे में उनका ध्यान बल्लेबाजी पर ही केंद्रित रहेगा। वह अपने बल्ले से आलोचकों को करारा जवाब देना चाहेंगे।

भारतीय टीम को सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिये : गेलेस्पी

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गेलेस्पी ने कहा है कि भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून से यहां द ओवल में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अपने सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिये। गेलेस्पी के अनुसार ऐसे तेज गेंदबाजों को रखना होगा जो बीस विकेट ले सकें। साथ ही कहा कि आईपीएल खेलकर आये भारतीय खिलाड़ियें के लिए एकदम से टेस्ट प्रारुप में ढ़लना आसान नहीं रहेगा। गेलेस्पी ने कहा कि इस अहम मुकाबले के लिए टीम में ऐसे गेंदबाजों की जरुरत है जो 20 विकट हासिल कर सकें और इसी वजह से उन्हें अपने सबसे बेहतर गेंदबाजों को शामिल करना चाहिये।

गेलेस्पी ने कहा, मध्य क्रम पर भी ध्यान देना होगा। वहीं अगर उनको लगता है कि एक अतिरिक्त बल्लेबाज की जरूरत है तो फिर वो ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर के साथ जा सकते हैं। उन्हें अपने गेंदबाजी आक्रमण को लेकर ठीक फैसला करना होगा। इस दौरान ये ध्यान रखना होगा कि कौन का गेंदबाजी आक्रमण 20 विकेट ले सकता है। मैं कही कहूंगा कि वो अपने तीन सबसे बेहतर तेज गेंदबाजों को शामिल करें। इसके साथ ही स्पिनर अश्विन और जडेजा गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनो में ही योगदान दे सकते हैं। वहीं भारतीय गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा है कि टीम की तैयारी ठीक से चल रही है और उनका ध्यान गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन में भी लगा हुआ है।

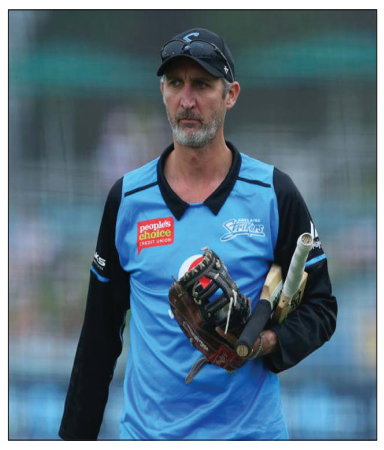

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अभ्यास में लगीं हैं भारत-ऑस्ट्रेलिया

-स्टार्क से भारतीय बल्लेबाजों को रहना होगा सावधान

लंदन(एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमें इस समय इंग्लैंड में हैं और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अभ्यास में लगी हैं। डब्ल्यूटीसी फाइनल इसी माह सात जून से शुरु होगा। टीम इंडिया के खिलाड़ी आईपीएल से सीधे यहां आ रहे हैं, ऐसे में उन्हें टी20 से टेस्ट प्रारुप में ढलना है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के ज्यादातर खिलाड़ी पहले से ही लंबे प्रारु के अनुसार अभ्यास कर रहे हैं। उसके डब्ल्यूटीसी टीम में शामिल कुछ ही खिलाड़ी आईपीएल खेल रहे थे। भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी आईपीएल खेलकर लंदन आ गए हैं। वहीं डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारतीय टीम को तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क से सावधान रहना होगा क्योंकि इंग्लैंड में स्टार्क की तेज गेंदबाजी भारतीय टीम के लिए परेशानी बन सकली है। स्टार्क ने अभ्यास सत्र में भी इसे साबित किया है। स्टार्क पिछले काफी समय से डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अभ्यास कर रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने डब्ल्यूटीसी और एशेज के लिए आईपीएल भी खेलने से इंकार कर दिया था। इस समय वह जबरदस्त लय में लग रहे हैं। उन्होंने अभ्यास सत्र में अपने साथी खिलाड़ी मार्नस लाबुशेन को भी अपनी तेज गेंदबाजी से कई बार आउट किया है। इसका एक वीडियो स्वयं आईसीसी ने इंस्टाग्राम पर साझा किया है। ऐसे में अगर भारतीय टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतना है,तो उन्हें किसी भी तरह से स्टार्क को आउट करना होगा। स्टार्क के अलावा कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी भारतीय गेंदबाजों के लिए परेशानी का कारण बन सकते हैं।

पीएसजी से अलग हुए मेसी, क्लेरमोंट के खिलाफ अंतिम मैच खेला

पेरिस। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने क्लेरमोंट के खिलाफ मैच के साथ ही फ्रांस के शीर्ष क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को छोड़ दिया। इस मैच में पीएसजी को क्लेरमोंट के हाथों 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। मेसी इस मैच में पीएसजी के समर्थकों की हूटिंग का भी शिकार हुए। उद्घोषक ने जब मेसी के नाम की घोषणा की तो दर्शकों ने उनकी जमक 'हूटिंग की। इसके कुछ मिनट बाद ही मेसी मुस्कुराते हुए अपने तीन बच्चों के साथ मैदान पर पहुंचे। उन्होंने बाद में कहा, 'मैं इन दो साल के लिए क्लब, पेरिस शहर और उसके लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। मैं आपको भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। मेसी के रहते हुए पीएसजी ने इन दो सत्रों में दो बार फ्रांसीसी लीग और फ्रांसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब जीते हैं। मेसी ने इस बीच क्लब की तरफ से सभी प्रतियोगिताओं में 32 गोल किए और 35 गोल करने में मदद की। मेसी ने पहले ही पीएसजी से अलग होने के संकेत दे दिये थे और अपना करार आगे नहीं बढ़ाया था। इस कारण किसी को भी उनके अलग होने पर हैरानी नहीं हुई। माना जा रहा है कि अब वह यूएई के कलब से भारी भरकम राशि में करार करेंगे। मेसी की कप्तानी में ही अर्जेंटीना ने गत वर्ष विश्वकप जीता था।

उत्कर्षा के हुए रुतुराज

मुम्बई । क्रिकेटर रुतुराज गायकवाड़ शनिवार को अपनी मंगेतर उत्कर्षा पवार के साथ शादी के बंधन में बंध गये। रुतुराज और उत्कर्षा की शादी महाबलेश्वर में हुई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलने वाले रुतुराज ने अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया में साझा करते हुए लिखा, पिच से वेदी तक, हमारी यात्रा शुरू! इस शादी के दौरान सीएसके टीम के उनके साथी- शिवम दूबे और प्रशांत सोलंकी भी उपस्थित थे। वहीं देवदत्त पडिक्कल और रजत पाटीदार सहित अन्य खिलाड़ियों ने उन्हें इंस्टाग्राम पर बधाई दी है। रुतुराज ने शादी के कारण ही 7 से 11 जून के बीच द ओवल में खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से भी अपना नाम वापस ले लिया था। इसके लिए उन्हें स्टैंडबाय खिलाड़ियों में शामिल किया गया था। इसके बाद यशस्वी जायसवाल को उनकी जगह पर टीम में शामिल किया गया। रुतुराज ने सीएसके की ओर से इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए 147.50 के स्ट्राइक रेट से 16 मैचों में 590 रन बनाए। उत्कर्षा भी क्रिकेटर हैं और वह घरेलू क्रिकेट में महाराष्ट्र से खेलती हैं। उत्कर्षा पुणे से हैं और हाल ही में सीएसके की जीत के जश्न में भी वह हिस्सा थीं।

कैमरन बोले, रोहित से काफी कुछ सीखने को मिला, अब डब्लयूटीसी में बेहतर प्रदर्शन पर नजरें

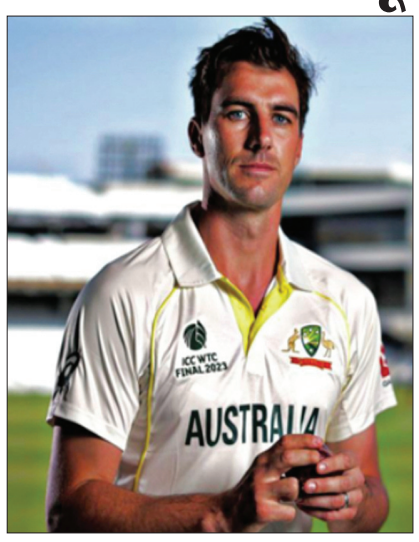

लंदन (एजेंसी)। यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून से शुरु हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए दोनो ही टीमें अभ्यास में लगी है। इसी बीच आईपीएल में मुम्बई इंडियंस टीम का हिस्सा रहे आक्रामक ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। ग्रीन के अनुसार उन्हें आईपीएल के दौरान रोहित से काफी कुछ सीखने को मिला है। ग्रीन ने मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित की कप्तानी के अंदर खेलने का अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिस शांत दिमाग के साथ रोहित खेलते हैं, उसे देखना बेहतरीन है। वह पिछले 10 सालों से खेल रहे हैं। उनके साथ वहां होना काफी बेहतर रहा है। मुझे उन्होंने यह पहले ही बता दिया था कि मेरी भूमिका क्या है। उनके साथ खेलने से मुझे काफी सहायता मिली है। मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है जिसका लाभ मुझे अब डब्लयूटीसी के इस अहम फाइनल में भी मिलेगा।

ग्रीन ने कहा कि मुझे रोहित शर्मा ने यह भी बताया कि कैसे स्पिनरों और तेज गेंदबाजों पर आक्रमण करना है। इसके साथ ही किस प्रकार गेंदबाजों को निशाना बनाने के लिए चयनित किया जाये। ग्रीन ने इसके साथ ही विराट कोहली के बारे में कहा कि वह बड़े मैचों में अपना सौ फीसदी देने के बारे में सोचते हैं। फाइनल काफी अच्छा होगा। मेरा लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन रहेगा।

ग्रीन को आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 17.50 करोड़ रुपये में खरीदा था। मुंबई के लिए अहम मुकाबले में उन्होंने एक शतक भी लगाय था। ग्रीन ने इस सीजन के 16 मैचों में 452 रन बनाए। इसके साथ उन्होंने 6 विकेट भी अपने नाम किए थे। वहीं अब इस ऑलराउंडर का लक्ष्य विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में बेहतर प्रदर्शन करना है। ग्रीन ने अब तक 20 टेस्ट मैचों में 941 रन बनाए हैं। ऐसे में टीम इंडिया के गेंदबाजों को उनपर अंकुश लगाना होगा।

एमबाप्पे ने फ्रांसीसी लीग में रिकॉर्ड पांचवी बार जीता गोल्डन बूट

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे ने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में अपना दबदबा कायम रखते हुए रिकॉर्ड पांचवी बार गोल्डन बूट (प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाला पुरस्कार) हासिल किया। पीएसजी की टीम इस मैच में क्लेरमोंट से 3-2 से हार गई लेकिन एमबाप्पे ने इसमें गोल दागा। इससे एमबाप्पे ने 29 गोल के साथ फ्रांसीसी लीग में अपने अभियान का अंत किया। यह पांचवा अवसर है जबकि उन्होंने लीग में सर्वाधिक गोल किए। एमबाप्पे ने इससे फ्रांस के जीन पियरे पापिन और अर्जेंटीना के स्ट्राइकर कार्लोस बियांची और डेलियो ओनिस के रिकॉर्ड की बराबरी की। पीएसजी पहले ही खिताब अपने नाम सुरक्षित कर चुका था। उसने और दूसरे स्थान की टीम लेंस ने चैंपियंस लीग के अगले सत्र के ग्रुप चरण के लिए क्वालीफाई किया।

एफआईएच प्रो लीग हॉकी: भारतीय टीम ने शूटआउट में ब्रिटेन को हराया

-अंकतालिका में दूसरे नंबर पर पहुंची

पोर्ट्समाउथ (एजेंसी)। लंदन (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम ने यहां खेले गये एफआईएच प्रो लीग हॉकी मुकाबले में ब्रिटेन पर रोमांचक जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने दूसरे चरण के मुकाबले में ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम को बोनस अंक भी मिले हैं। इस मुकाबले में तय समय तक दोनो ही टीमें 4-4 से बराबरी पर थीं। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 7वें मिनट, मंदीप सिंह ने 19वें मिनट, सुखजीत सिंह ने 28वें मिनट और अभिषेक ने 50वें मिनट में गोल किये। वहीं ब्रिटेन की ओर से चारों गोल सैम वार्ड स्टार ने किये। सैम ने 8वें, 40वें, 47वें और 53वें मिनट में ये गोल किय। इस जीत के बाद भारतीय टीम अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं हार के बाद भी ब्रिटेन पहले नंबर पर है।

भारत के 12 मैचों में 24 अंक हैं जबकि ब्रिटेन को 11 मैचों में 26 अंक मिले हैं। भारतीय टीम को इससे पहले यहां पहले चरण के मुकाबले में ब्रिटेन से ही 2-4 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद दूसरे मैच में भारतीय टीम ने बेल्जियम को 5-1 से हराया। भारतीय टीम को अब एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में सात जून को मेजबान नीदरलैंड से खेलने के लिए एंडोवेन जाना होगा। इस मैच में ब्रिटेन की हॉकी टीम ने आक्रामक शुरुआत की पर भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने इन हमलों को विफल कर दिया। भारतीय टीम ने भी जबाबी हमले किये। इस दौरान भारतीय टीम की ओर से पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत ने गोल दाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

इसके कुछ देर बाद ही सैम ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने जमकर हमले किये। इस दौरान मंदीप ने गोल कर भारत की बढ़त को 2-1 पहुंचा दिया। पहले हाफ के दो मिनट बाद ही सुखजीत ने एक गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। वहीं सैन ने एक और गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को घटा दिया।

अंतिम क्वार्टर के शुरु होने पर सैम ने 47वें मिनट में मैदानी गोल से अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। अंतिम क्वार्टर में ब्रिटेन ने ने जबरदस्त खेल दिखाया पर 50वें मिनट में अभिषेक ने एक गोल कर भारत को 4-3 से आगे कर दिया। सैम ने एक बार फिर गोल कर ब्रिटेन को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद शूटआउट में मनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत, ललित कुमार उपाध्याय और अभिषेक ने भारतीय टीम की ओर से चार गोल किये। वहीं ब्रिटेन की विल कालनन ही गोल करने में सफल रहे।

महिला जूनियर एशिया कप हॉकी में आज मलेशिया पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

काकामीगाहारा । भारतीय महिला हॉकी टीम सोमवार को जूनियर एशिया कप में मलेशिया के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पूल ए के अपने अपने पहले मैच में उज्बेकिस्तान को 22-0 से हराया था जिससे इस मैच के लिए उसके हौंसले बुलंद हैं। उज्बेकिस्तान के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उसके आठ खिलाड़ियों वैष्णवी विट्ठल फाल्के, मुमताज खान, अन्नू, सुनलिता टोप्पो, मंजू चोरसिया, दीपिका सोरेंग, दीपिका और नीलम ने गोल किये थे। भारतीय टीम अब सोमवार को मलेशिया के खिलाफ भी इसी प्रकार के प्रदर्शन को जारी रखने के प्रयास करेगा। भारतीय टीम की कप्तान प्रीति ने कहा कि टीम आने वाले मैचों में जीत की लय बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। उन्होंने कहा, 'हमने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की है और अब हमारा लक्ष्य मलेशिया के खिलाफ भी इसी सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। मलेशिया ने भी अपने पहले मैच में चीनी ताइपे को 7-0 से हराकर अच्छी शुरुआत की थी। ऐसे में वह भी भारतीय टीम को टक्कर देने के इरादे से उतरेगी। इन दोनों टीमों के बीच 2015 में महिला जूनियर एशिया कप के दौरान मुकाबला हुआ था जिसमें भारतीय टीम ने 9-1 से जीत दर्ज की थी जिसका मनोवैज्ञानिक लाभ इस मैच में भी भारतीय टीम को मिलेगा। भारतीय टीम इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी।

आईपीएल ने एक दशक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का एकाधिकार समाप्त किया: कमिंस

-इसी कारण राष्ट्रीय टीम की जगह टी20 लीग को प्राथमिकता दे रहे खिलाड़ी

बेकेनहैम (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस के अनुसार भविष्य में खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर राष्ट्रीय टीम को महत्व देने के लिए मनाना बेहद कठिन होगा। कमिंस के अनुसार जिस प्रकार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने खिलाड़ियों के समय पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एकाधिकार को समाप्त कर दिया है उससे यह बात साबित होती है। इसी कारण कई खिलाड़ी अनुबंध छोड़कर टी20 लीग खेल रहे हैं। कमिंस ने कहा कि आईपीएल ने एक दशक में ही पहले क्रिकेट की तस्वीर बदल दी है। इसी का परिणाम है कि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट जैसे क्रिकेटर राष्ट्रीय अनुबंध की जगह विश्व भर की टी20 लीग में खेलने को बेहतर मानते हैं।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले कमिंस ने कहा, 'पिछले कुछ समय से लग रहा था कि ऐसा हो सकता है पर अब ऐसा हो रहा है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों के समय पर अब पहले की तरह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का एकाधिकार नहीं रहेगा। आईपीएल ने एक दशक पहले इसमें बदलाव कर दिया था पर अब अधिक से अधिक खिलाड़ी इसमें शामिल हो रहे हैं और इसलिए मेरा मानना है कि हमें इसको लेकर सक्रिय होना होगा।

कमिंस के अनुसार उनके खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता देनी चाहिये पर कहा कि भारी भरकम धनराशि देने वाली फ्रेंचाइजी आधारित लीग को खिलाड़ियों से दूर रखना संभव नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'हमें ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलने को जितना हो सके उतना खास बनाना होगा पर यह चुनौती बनने जा रहा है। हमें इसको लेकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कमिंस ने इसके साथ ही कहा कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ने द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखलाओं को अधिक अहम बना दिया है। उन्होंने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं।

नडाल के कूल्हे की सर्जरी हुई

पेरिस । स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल के बाएं कूल्हे की सर्जरी हुई है। ऐसे में अब वह लंबे समय तक टेनिस कोर्ट से दूर रहेंगे। नडाल की वापसी में तकरीबन पांच से छह माह लगने की संभावना है। ऐसे में वह इस सत्र के शेष टूर्नामेंटों से बाहर रहेंगे। नडाल के प्रवक्ता बेनिटो पेरेज बारबाडिलो ने कहा है कि बार्सिलोना के एक अस्पताल में उनके कूल्हें की दो सर्जरी हुई हैं। इस खिलाड़ी ने गत माह ही कह दिया था कि वह सर्जरी के कारण फ्रेंच ओपन से बाहर रहेंगे। वह इस साल की शुरुआत से ही चोट के कारण टेनिस कोर्ट से बाहर चल रहे थे।

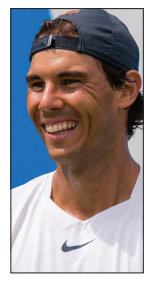

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरि विष्णु

के तीसरे अवतार का समपूर्ण जीवन चरित्र

ईश्वर अनंत है। वे सर्वशक्तिमान, करुणामय परमात्मा अपना कोई प्रयोजन न रहने पर भी साधु-परित्राण, धर्म-संरक्षण एवं जीवों पर अनुग्रह करने के लिए शरीर धारण कर लिया करते हैं। श्री हरि विष्णु ने धर्म रक्षा एवं लोक कल्याणार्थ 24 बार अवतार लिया जिसमें तीसरे अवतार के रूप में देवर्षि नारद का अवतार होता है।

मंगलमूर्ति देवर्षि नारद जी मन के अवतार हैं। श्री हरि विष्णु जो कुछ भी करना चाहते हैं, तीनों लोकों में विराजमान सर्वदर्शी वीणापति देवर्षि नारद जी के द्वारा वैसी ही चेष्टा होती है।

देवर्षि नारद जी परम तपस्वी और ब्राह्मतेज से सम्पन्न हैं जो देवराज इंद्र के द्वारा दिए हुए उज्ज्वल, महीन, दिव्य शुभ और बहुमूल्य वस्त्र धारण करते हैं। वह वेद एवं उपनिषदों के ज्ञाता, देवताओं द्वारा वंदनीय, पूर्वकल्पों की बातों के जानकार, महाबुद्धिमान और असंख्य सद्गुणों से सम्पन्न महातेजस्वी, भगवान से प्राप्त वीणा से श्री हरि विष्णु के मधुर मनोहर मंगलमय नाम एवं गुणों का गान करते हुए लोक-लोकांतरों में विचरण करते हैं। वह मुक्ति की इच्छा रखने वाले प्राणियों के हित के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं। उन्होंने त्रैलोक्य में कितने प्राणियों को किस प्रकार परम प्रभु के पावन पद पद्मों में पहुंचा दिया, इसकी गणना संभव नहीं।

भगवान नृसिंह के अवतरण की पृष्ठभूमि में जाएं तो उसमें देवर्षि नारद का ही योगदान रहा है। बालक प्रह्लाद की दृढ़ भक्ति से भगवान नृसिंह अवतरित हुए। प्रह्लाद के इस भगवद्विश्वास एवं प्रगाढ़ निष्ठा में देवर्षि नारद ही प्रमुख मार्गदर्शक थे। जब भक्त प्रह्लाद गर्भ में थे, उसी समय माता दैत्येश्वरी कयाधू को देवर्षि नारद जी ने भक्ति और ज्ञान का उपदेश दिया। प्रह्लाद जी का वही ज्ञान उनके जीवन और जन्म को सफल बनाने में सहायक रहा।

राजकुमार ध्रुव ने जब पिता के तिरस्कार से व्यथित होकर वन की ओर प्रस्थान किया, उस समय देवर्षि नारद ने उन्हें भगवान वासुदेव का मंत्र दिया तथा उन्हें उपासना की विधि विस्तारपूर्वक बताई। दक्ष प्रजापति ने पंचजन की पुत्री असिक्नी से हर्यश्व नामक दस सहस्त्र पुत्र उत्पन्न कर उसे सृष्टि विस्तारण का आदेश दिया और एतदर्थ वे पश्चिम दिशा में सिंधु नदी और समुद्र के संगम पर स्थित पवित्र नारायण सर पर तपश्चरण करने पहुंचे तब देवर्षि नारद जी ने अपने अमृत मय उपदेशों से उन सभी में विरक्ति ला दी जिससे दक्ष प्रजापति बड़े दुखी हुए।

उन्होंने फिर शावलश्व नामक एक सहस्त्र पुत्र उत्पन्न किए। देवर्षि नारद जी ने उन्हें भी भगवच्चरणाविन्दों की ओर उन्मुख कर दिया जिससे क्रुद्ध होकर दक्ष प्रजापति ने अजातशत्रु देवर्षि नारद को शाप दे दिया कि तुम लोक लोकांतरों में भटकते ही रहोगे। देवर्षि नारद ने दक्ष प्रजापति के श्राप को प्रभु श्री हरि विष्णु की मंगलमयी इच्छा समझकर स्वीकार कर लिया और तब से ये लोक कल्याणार्थ एवं धर्म रक्षा के लिए तीनों लोकों में विचरण कर रहे हैं।

शास्त्रों में मिलता है कि जब व्यास जी ने वेदों का विभाग तथा पंचम वेद महाभारत की रचना कर ली लेकिन मन में अपूर्ण कार्य की अनुभूति हो रही थी, इस कारण खिन्न हो रहे थे, तब देवर्षि नारद जी उनके समीप पहुंच गए और व्यास जी के पूछने पर बताया कि आपने भगवान के निर्मल यश का गान प्रायः नहीं किया। मेरी ऐसी मान्यता है कि वह शास्त्र या ज्ञान सर्वथा अपूर्ण है जिससे जगदाधार स्वामी संतुष्ट न हों। वह वाणी आदर के योग्य नहीं है जिसमें श्री हरि की परमपावनी कीर्त वर्णित न हो। देवर्षि नारद कहते हैं कि व्यास जी आपका ज्ञान पूर्ण है, आप भगवान की ही कीर्त का उनकी प्रेममयी लीला का वर्णन कीजिए। नारद जी ने कुल 84 सूत्र दिए हैं जिनमें भक्त और भगवान के आदर्श संबंधों की वृहद व्याख्या है जो स्पष्ट, सटीक और सहज है।

द्वापर में जब दुर्योधन के छल और कुटिल नीति से पांडवों ने अरण्य के लिए प्रस्थान किया, उस समय भारतवंशियों के विनाश सूचक अनेक प्रकार के भयानक अपशकुन होने लगे। चिंतित होकर इस संबंध में धृतराष्ट्र और विदुर परस्पर बातचीत कर ही रहे थे कि उसी समय महर्षियों से घिरे देवर्षि नारद जी कौरवों के सामने आकर खड़े हो गए और सुस्पष्ट शब्दों में उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा :

इतश्चतुर्दश वर्से विनक्ष्यन्तीह कौरवाः।
दुर्योधनपराधेन भीमार्जुनबलेन च।।

अर्थात आज से चौदहवें वर्ष में दुर्योधन के अपराध से भीम और अर्जुन के पराक्रम द्वारा कौरवों का नाश हो जाएगा। इतना कह कर महान ब्रह्मतेजधारी नारद जी आकाश में जाकर सहसा अंतर्ध्यान हो गए। जब अविनाशी नारायण और नर बद्रिकाश्रम में घोर तप करते हुए अत्यंत दुर्बल हो गए थे और उस परम तेजस्वी प्रभु का दर्शन अत्यंत दुर्लभ था, उस समय नारद जी महामेरु पर्वत से गंधमादन पर्वत पर उतर गए और जब भगवान नर और नारायण के समीप पहुंचे तब उन्होंने शास्त्रीय विधि से देवर्षि नारद जी की पूजा अर्चना की।

नारद जी ने उनसे अनेक प्रश्नों का तृप्ति कर उत्तर प्राप्त किया और फिर उनकी अनुमति से श्वेतद्वीप में पहुंच कर श्री भगवान के विश्वस्वरूप का दर्शन लाभ कर पुनः गंधमादन पर्वत पर श्री नर-नारायण के समीप चले गए। नारद जी ने भगवान नर-नारायण को सारा वृत्तांत सुनाया और उनके समीप दस सहस्त्र दिव्य वर्षों तक रहकर वे भजन एवं मंत्रानुष्ठान करते हैं।

देवर्षि नारद जी की कीर्त यशगान एवं कृतित्व व्यक्तित्व पर सभी धर्म शास्त्रों में वर्णन मिलता है। स्कंदपुराण में इंद्रकृत देवर्षि नारद जी की अत्यंत सुंदर स्तुति है। उसके संबंध में एक बार भगवान श्री कृष्ण ने नारद जी के गुणों की प्रशंसा करते हुए राजा उग्रसेन से कहा था कि मैं देवराज इंद्र द्वारा किए गए स्तोत्र से दिव्य दृष्टि सम्पन्न देवर्षि नारद जी की सदा स्तुति किया करता हूं।

सर्वे सुहृद देवर्षि नारद जी ही एक मात्र ऐसे हैं जिनका सभी देवता और दैत्यगण समान रूप से सम्मान एवं विश्वास करते हैं उन्हें अपना शुभेच्छु समझते हैं। निश्चय ही वह दयामय सबके यथार्थ हित, साधक के लिए सचित और प्रयत्नशील रहते हैं, जब भी करुणामय प्रभु के सच्चे प्रेमी भक्तों को उनके दर्शन हो जाते हैं।

रुद्र संहिता के अनुसार जब राजकुमारी श्रीमती के स्वयंवर में शामिल होने देवर्षि नारद पहुंचते हैं वहां पर उनका चित्त माया से मोहित हो रहा था, उस समय परमेश्वर की कृपा से महादेव जी के दो गण, देवर्षि नारद का उपहास कर रहे थे उन्हें वह शाप दे दिया लेकिन जब दोनों गणों ने देवर्षि नारद जी के पास शापमुक्ति का उपाय पूछा तो उन्होंने कहा कि मैंने जो कुछ शाप में कहा है वह वैसा ही होगा। आप दोनों मुनिवर विश्रवा के पुत्र के रूप में जन्म लेकर रावण कुंभकर्ण के रूप में राक्षस राज का पद प्राप्त करेंगे। वैभव से युक्त परम प्रतापी भी होंगे, समस्त ब्रह्मांड के राजा होकर शिव भक्त एवं जितेंद्रिय होंगे और शिव के ही दूसरे स्वरूप श्री विष्णु के हाथों मृत्यु पाकर फिर अपने पद पर प्रतिष्ठित हो जाएंगे।

इतना ही नहीं देवर्षि नारद जी ने ब्रह्मा जी से शिव तत्व के उत्तम महात्मय का ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने भक्ति मार्ग, ज्ञान मार्ग, तपोमार्ग, दानमार्ग तथा तीर्थमार्ग का वर्णन सुनकर तीनों लोकों में विचरण कर शिव तत्व का प्रचार-प्रसार कर मोक्ष प्राप्त करने का उपाय जीव जंतुओं का बताया।

किन लोगों में बसता है ईश्वर

प्रेम अन्तःकरण का अमृत है। जिसकी भावनाएं स्नेहसिक्त होती हैं, वे अनुभूतियों से आनंदित रहते हैं और दूसरों पर उसके छींटें छिड़ककर उन्हें उल्लास प्रदान करते हैं।

प्रेम एक चुंबक है जिसके सहवर्गी तत्त्व अनायास ही खिंचते चले जाते हैं। यदि प्रेम भावना के साथ आदर्शवादिता भी जुड़ी हुई हो तो अपना संपर्क-क्षेत्र श्रेष्ठ तत्वों के साथ सघन होता चला जाएगा।

बुरी प्रकृति के किंतु प्रेमी स्वाभाव के लोग, बुरी चांडाल चौकड़ी के सरगना बने हुए देखे जाते हैं। यही बात अच्छी प्रकृति पर भी लागू होती है, मधुरता और ममता के साथ यदि सज्जनता भी जुड़ी हुई हो, तो फिर निश्चय ही अपने को देव समाज के सम्मानित सदस्य के रूप में पाया जाएगा।

दर्पण में अपनी ही छाया दिखाई पड़ती है।

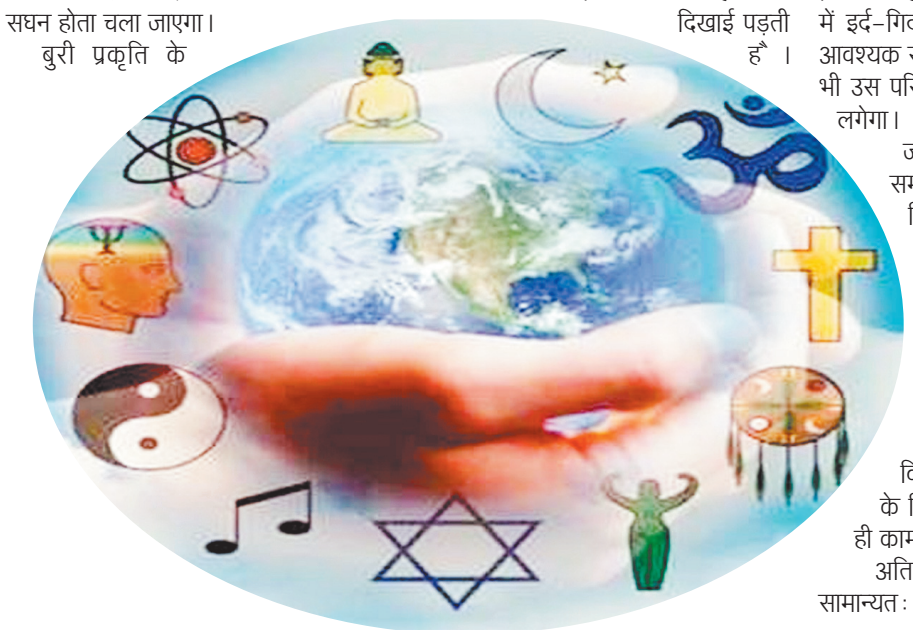

कुरूप छाया दृष्टिगोचर हो तो दर्पण पर क्रुद्ध होना बेकार है। अपनी मुखाकृति जैसी होगी वैसी ही सूरत सामने खड़ी होगी। दूसरों को सुधारने के लिए अपने में आवश्यक हेर-फेर करना होगा अन्यथा मनमरजी की दुनिया देखने के सपने कभी साकार न हो सकेंगे।

अक्सर होता यह है कि अपने दुर्गुणों की प्रतिक्रिया ही अवांछनीय परिस्थितियों के रूप में इर्द-गिर्द घूमती रहती है। यदि अपने में आवश्यक सुधार कर लिया जाए तो दूसरों में भी उस परिवर्तन का आभास सहज ही होने लगेगा।

जीवनक्रम में प्रमाणिकता का समावेश % सादा जीवन , उच्च विचार % का आदर्श अपनाने से ही हो सकता है। सादगी शालीनता की निशानी है। दूसरों को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शन के साधन जुटा लेना पर्याप्त नहीं है। किसी को चकाचौंध से क्षणभर के लिए चमत्कृत तो किया जा सकता है पर श्रद्धा और विश्वास से भरा सम्मान प्राप्त करने के लिए चरित्र और चिंतन की गहराई ही काम आती है।

अति भावुकों की बात अलग है सामान्यतः विश्वास उपलब्ध करने के लिए प्रमाणिकता की कसौटियों पर खरा उतरना पड़ता है। इस अग्निपरीक्षा में उत्तीर्ण वही हो सकता है जिसने आदर्श की आग में तपाकर अपने व्यक्तित्व को प्रखर एवं परिपक्व बनाया है। इस मार्ग पर चलते हुए % बड़ा आदमी % बना नहीं जाता है।

जड़ें दिखाई नहीं पड़तीं पर पेड़ का अस्तित्व उन्हीं पर निर्भर रहता है।

जीवन की जड़ें कर्तव्यपालन के तंतुओं के रूप में बिखरी हुई देखी जा सकती हैं। प्रेम के जल से इन्हें सींचा जाता है और आत्मसंयम की खाद पाकर वे परिपुष्ट होती हैं। जीवन का वटवृक्ष कितना विशाल, कितना हरित और कितना सघन होता है - यह इस बात पर निर्भर है कि उसकी जड़ें सींचने में कितना प्रयास किया गया ?

जीवन की सफलता और सार्थकता का भवन छोटे-छोटे सद्गुणों की ईंटों और सतर्कता के गारे चूने में चूना जाता है। यदि हम जीवन को महत्वहीन न समझें और उसके सदुपयोग का समुचित ध्यान रखें तो उस लक्ष्य तक सहज ही पहुंच सकते हैं जिसके लिए यह मनुष्य जीवन की महान विभूति उपलब्ध हुई है।

जो सचमुच प्रेम करता है उसका हृदय धरती पर साक्षात स्वर्ग है ! ईश्वर उसमें बसता है क्योंकि ईश्वर प्रेम है !

वास्तु

सावधान! घर का बिगड़ा वास्तु खिला सकता है आपको जेल की हवा

वास्तुशास्त्र में ऐसे भवनों की भी जानकारी दी गई है, जिसमें निवास करने वाले परिवार या उनके किसी सदस्य को परिस्थितिवश जेल जाने की नौबत आ जाती है।

- घर व घर की चारदीवारी के नैऋत्य कोण में मुख्यद्वार या मार्ग प्रहार हो तब ऐसे में दक्षिण नैऋत्य होने पर घर की महिला सदस्य और पश्चिम नैऋत्य में हो तो पुरुष सदस्य के जेल जाने की सम्भावना बनती है।
- नैऋत्य नीचा हो, दक्षिण और नैऋत्य के बीच में या नैऋत्य और पश्चिम के बीच में कुंए, गड्ढे और चैम्बर आदि खोदे जाएं या मोरी बनाई जाए तो उस प्लाट के स्वामी को जबरदस्ती गिरफ्तारी व जेल जीवन का सामना करना पड़ता है।
- जब घर के दक्षिण नैऋत्य में बढ़ाव हो तो घर की महिला सदस्य और यदि घर के पश्चिम नैऋत्य में बढ़ाव हो तो घर के पुरुष सदस्य के जेल जाने की नौबत आती है।
- घर के दक्षिण भाग स्थित मुख्यद्वार इस प्रकार लगा हो कि द्वार से आग्नेय कोण दिखता हो तो घर के किसी सदस्य की गिरफ्तारी होने की आशंका होती है।

घर का वास्तु

भी कर सकता है आपको समाज में अपमानित

हर वो आदमी जिसमें आत्म सम्मान है वह कभी नहीं चाहता है कि वह अपने जीवन में कभी किसी अन्य के द्वारा अपमानित हो। अपमान किसी भी तरह का हो सकता है, जैसे स्वयं द्वारा या परिवार के किसी सदस्य अवांछनीय कार्य करने से अथवा किसी शत्रु द्वारा किसी प्रकार की साजिश रचने इत्यादि से।

वास्तुशास्त्र में ऐसे घरों की बनावट के बारे में जानकारी दी गई है, जिनमें रहने वालों को अपने जीवन में कभी ना कभी अपमान का सामना करना पड़ता है जैसे -

- घर की पूर्व दिशा की कम्पाऊण्ड वाल सीधी हो और उत्तर दिशा में कट गई हो और यह कटाव सीढ़ियों की तरह उत्तर वायव्य से होता हुए पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा हो तो ऐसे घर में रहने वालों को अपमान से पीड़ा होगी।
- यदि परिसर का उत्तर ईशान एवं उत्तर दिशा कट गई हो तो परिसर के स्वामी को अपमान का सामना करना पड़ेगा।
- ऐसा घर जिसमें उत्तर के साथ मिलकर अगर वायव्य में बढ़ाव होता हो तो वहां रहने वालों को अपमान का सामना करना पड़ता है।
- किसी प्लाट पर पूर्व की ओर नीचा हो या ऊंचा यदि उस ओर दीवार पर शेड या कमरा आदि बनाया जाएं तो घर के मालिक का अपमान होता है।
- घर का नैऋत्य ऊंचाई पर हो, उधर दक्षिण और नैऋत्य के बीच में या नैऋत्य और पश्चिम के बीच में कुएं, गड्ढे या रंध्र खोदे जाएं या मोरी बनाई जाए तो उस प्लाट का मालिक अपमान से पीड़ित होगा।
- पश्चिम वायव्य पश्चिम दिशा के साथ मिलकर बढ़ाव लिए हुए हो तो प्लाट के स्वामी का जीवन में कभी ना कभी अपमान होता है।
- यदि मुख्यद्वार के साथ सीधे खिड़की जुड़ी हुई हो और खिड़की के पास टूटी-फूटी हालत में या जीर्णक्षीर्ण हालत में दीवार हो, प्लास्टर उखड़ा हुआ हो या खिड़की ही टूटी हुई हो तो उस घर के मुखिया को समाज में अपमान का सामना करना पड़ता है।

पूर्वी इंडोनेशिया में तेजी से कांपी धरती, रिएक्टर पैमाने पर तीव्रता 6.0 मापी गई

जकार्ता ।इंडोनेशिया के पूर्वी प्रांत मालुकु में रविवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने मीडिया को बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजकर 25 मिनट (0025जीएमटी) पर आए भूकंप की तीव्रता रिएक्टर पैमाने पर 6.0 मापी गयी, लेकिन सुनामी की कोई संभावना नही है। एजेंसी के अनुसार भूकंप का केंद्र केपुलाउन तनिम्बर (मलुकु तेंगारा बारात) जिले से 154 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित था और समुद्र में 153 किलोमीटर की गहराई पर था।

पाक में सुरक्षा बलों के मुठभेड़ में 2 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में कम से कम दो आतंकवादी मारे गये। मीडिया के अनुसार मुठभेड़ जिले के जनीखेल इलाके में तलाशी अभियान के दौरान हुई। सुरक्षा बलों के जवानों ने मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया और घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया। आईएसपीआर ने कहा कि मुठभेड़ में सेना के दो जवानों की भी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बल आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यूके में भारतीय मूल के व्यक्ति को धोखाधड़ी के जुर्म में तीन साल की कैद

लंदन।ब्रिटेन में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को संपत्ति खरीदने में लोगों की मदद करने के नाम पर करीब 16,000 पाउंड की धोखाधड़ी करने के जुर्म में तीन साल कैद की सज़ा सुनाई गई है। स्कॉटलैंड यार्ड के मुताबिक, जसपाल सिंह जुट्टला (64) ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और उसके शिकार लोगों में ज्यादातर भारतीय मूल के लोग हैं। लंदन की आइलवर्थ क्राउन अदालत ने जुट्टला को बृहस्पतिवार को धोखाधड़ीकरने के जुर्म में सज़ा सुनाई। मेट्रोपोलिटन पुलिस ने एक बयान में कहा कि अपराध मई 2019 से जनवरी 2021 के बीच हुआ था और जुट्टला ने पिछले साल अगस्त में अक्सब्रिज मजिस्ट्रेट अदालत में पहले की सुनवाई में अपना जुर्म कबूल किया था। बयान के मुताबिक, जुट्टला ने चार लोगों से आवास ऋण सलाहकार बनकर 15,970 पाउंड की ठगी की। मेट्रोपोलिटन पुलिस की केंद्रीय विशेषज्ञ अपराध इकाई में वित्तीय जांचकर्ता 'डिटेक्टिव कांस्टेबल' अनीता शर्मा ने कहा कि जुट्टला ने बेहतरीन जीवनशैली के लिए धन हासिल करने के वास्ते अपने ही समुदाय के लोगों के साथ ठगी की। उन्होंने कहा कि जुट्टला का शिकार बने कुछ लोग ही सामने आए हैं लेकिन ऐसे बहुत से लोग हो सकते हैं जिनके साथ जुट्टला ने ठगी की है लेकिन उन्होंने पुलिस से सपंर्क नहीं किया है। जुट्टला आवास ऋण सलाहकार बनकर लोगों से मिलता और संपत्ति खरीदने में मदद करने के नाम पर उनसे ठगी करता।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने ओडिशा रेल हादसे पर जताया दुख

जिनेवा ।संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने ओडिशा में हुए भीषण रेल हादसे पर गहरा दुख जताया है।गौरतलब है कि ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार को हुए रेल हादसे में 288 यात्रियों की मौत हो गई और 1,100 से अधिक यात्री घायल हो गए। बालासोर में 12841 शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और 12864 बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने और एक मालगाड़ी से टकराने के कारण यह हादसा हुआ। संरा महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि महासचिव भारत के ओडिशा में हुए रेल हादसे में लोगों के हताहत होने की खबर से बहुत दुखी हैं। बयान में कहा गया है कि गुतारेस मृतकों के परिवारों, भारत के लोगों एवं सरकार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र एवं पूरी तरह से स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी ने भी रेल दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों और घायलों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की थी। अध्यक्ष ने ट्वीट किया था कि ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। भारत सरकार और लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रशासक अचिम स्टेनर ने भी एक ट्वीट में कहा कि वह ओडिशा में हुए दुखद हादसे से जुड़ी खबरों को ''भारी मन से देख रहे हैं।

सब्सिडी हटाने का ऐलान करते ही तीन गुना हो गई तेल की कीमत

अबूजा ।अफ्रीकी महाद्वीप के देश नाइजीरिया में पेट्रोल के दाम बहुत कम हैं। लेकिन राष्ट्रपति ने जैसे ही सब्सिडी हटाने का ऐलान किया अचानक तेल के तीन गुना दाम बढ़ने से अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही लोग पेट्रोल पंप के बाहर गाड़ी की टंकी फुल कराने में लग गए।अफरातफरी का आलम यह रहा कि नाइजीरिया की राजधानी अबूजा समेत कई शहरों में जाम लग गई है। यहां यह बात गौरतलब है कि अफ्रीका में तेल का सबसे बड़ा उत्पादक नाइजीरिया है। नाइजीरिया में मची अफरातरी का प्रमुख कारण वहां के नए राष्ट्रपति बोला तिनूबू का एक बयान है।जिसके कारण यह अफरातफरी मची।दरअसल राष्ट्रपति का कहना है कि सरकार लोगों को पेट्रोल पर सब्सिडी नहीं देगी। नाइजीरिया अफ्रीका में तेल का सबसे बड़ा उत्पादक है। तिबूलू ने कहा कि पेट्रोल पर मिलने वाली सब्सिडी का जमाना गया। सरकार इस सब्सिडी का इस्तेमाल शिक्षा, हेल्थकेयर और रोजगार पैदा करने के लिए करेगी। मीडिया में आ रही रिपोर्ट के मुताबिक, नाइजीरिया की सरकारी कंपनी नाइजीरियन नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एनएनपीसी) ने कहा कि खुदरा कीमतों में बदलाव किया गया है। इस बीच तिनूबू ने लोगों से पैनिक नहीं होने की अपील की है। तिनूबू के मुताबिक, सरकारी खजाने पर बोझ को कम करने के लिए उनकी सरकार ने पेट्रोल पर दी जा रही सब्सिडी खत्म कर दी है। हाल ही में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद तिनूबू ने कहा था कि पेट्रोल और गैस पर मिलने वाली भारी छूट का जमाना खत्म हो गया है।

ट्रांसजेंडर नाबालिगों के इलाज पर प्रतिबंध, अमेरिका के टेक्सास में लागू

वॉशिंगटन ।टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने ट्रांसजेंडर नाबालिगों के इलाज पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए है। यह अमेरिका में ऐसी ट्रीटमेंट पर प्रतिबंध लगाने वाला सबसे बड़ा राज्य बन गया है। एबॉट ने फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसांटिस के नक्शेकदम पर चलते हुए ऐसा करने का फैसला लिया। उन्होंने भी मई में इसी तरह के बिल पर हस्ताक्षर किया था। टेक्सास और फ्लोरिडा अमेरिका में दूसरे और तीसरे सबसे अधिक आबादी वाले राज्य हैं। टेक्सास कानून चिकित्सा पेशेवरों को हार्मोन ब्लॉकर्स निर्धारित करने या 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को लिंग संक्रमण सर्जरी करने से प्रतिबंधित करता है। यह 1 सितंबर से लागू हो गया है। कानून में पहले से ही युवावस्था ब्लॉकर्स या हार्मोन थेरेपी प्राप्त करने वाले नाबालिगों के लिए एक अपवाद शामिल है, लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि वे समय की अवधि में और सुरक्षित और चिकित्सकीय रूप से उपयुक्त तरीके से डॉक्टर के पर्चे वाली दवा को बंद कर दें। अमेरिकी राजनीति में ट्रांसजेंडर अधिकार तेजी से एक हॉट-बटन मुद्दा बन गया है, डेमोक्रेट्स ने टेक्सास और फ्लोरिडा कानूनों जैसे मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण करने वाले कदमों की निंदा की है। शुक्रवार को, अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ऑफ टेक्सास ने कहा कि वह राज्य के प्रतिबंध के खिलाफ मुकदमा दायर करेगी। अधिकार संगठन ने कहा, एबॉट टेक्सास में ट्रांस युवाओं को पनपने से नहीं रोक सकता है, और हम सुनिश्चित करने के लिए उन्हें अदालत में ले जाएंगे। पिछले महीने टेक्सास राज्य विधायिका द्वारा विधेयक पारित किए जाने के बाद, अमेरिकी अधिकार संगठनों-टेक्सास के एसीएलयू सहित, साथ ही लैम्ब्डा लीगल एंड ट्रांसजेंडर लॉ सेंटर ने कहा कि कानून ने चिकित्सकीय रूप से आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। समूहों ने कहा, टेक्सास सीनेट बिल 14-18 वर्ष से कम उम्र के ट्रांसजेंडर लोगों के लिए लिंग डिस्फोरिया के लिए एकमात्र साक्ष्य-आधारित देखभाल पर प्रतिबंध लगाता है और इसका उद्देश्य डॉक्टरों को उनके मेडिकल लाइसेंस से वंचित करना है, ताकि वे अपने मरीजों को चिकित्सकीय रूप से आवश्यक देखभाल प्रदान कर सकें। हाल के महीनों में एक दर्जन से अधिक रिपब्लिकन नेतृत्व वाले राज्यों ने इसी तरह के प्रतिबंध पारित किए हैं। मार्च में, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि ट्रांसजेंडर अधिकारों पर इस तरह के हमले गैर-अमेरिकी थे और यह समाप्त होने चाहिए।

सियोल में विश्व पर्यावरण दिवस से पहले कम कार्बन उत्सर्जन को लेकर जागरुकता फैलाने के लिए एक दौड़ आयोजित की गयी।

पीटीआई के ज्यादातर बड़े नेताओं ने छोड़ा इमरान खान का साथ

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान अकेले पड़ गए हैं।उनकी पार्टी पीटीआई के ज्यादातर बड़े नेताओं ने उनका साथ छोड़ दिया है। यहां बढ़ते राजनीतिक संकट ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के उस प्लान को सफल कर दिया है जिसके तहत वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को कमजोर करना चाहते थे।इमरान खान जब से जेल से रिहा हुए हैं, वह एक तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं। नौ मई को उन्हें जब इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर से गिरफ्तार किया गया तो देश में जमकर प्रदर्शन हुए। जब वह जेल से बाहर आए तो उनकी पार्टी के कई नेताओं को गिरफ्तार किया गया। जिस तरह से पार्टी के नेता उन्हें छोड़कर गए उससे तो बस यही लगता है कि अब इमरान अकेले पड़ चुके हैं। यहां तक कि इमरान के अलोचक भी उनके करीबियों के इस रवैये से हैरान हैं।हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री और रक्षा मंत्री परवेज खट्टक ने भी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से इस्तीफ दे दिया। उन्होंने खान के पूर्व वित्त मंत्री, उनके पूर्व मानवाधिकार मंत्री, उनके पूर्व सूचना मंत्री और उनके पूर्व जहाजरानी मंत्री की तरह ही पार्टी को छोड़ना बेहतर समझा। जिन लोगों ने पार्टी नहीं छोड़ी उनमें से कई अब जेल की सलाखों के पीछे हैं।इधर पीटीआई के अध्यक्ष, चौधरी परवेज़ इलाही को भी आतंकवाद विरोधी पुलिस ने लाहौर में उनके घर पर गिरफ्तार कर लिया। वह अक्सर कहते आए हैं कि इस मुश्किल समय में वह खान के साथ खड़े रहेंगे। शाह महमूद कुरैशी भी कई और प्रमुख मंत्रियों और हजारों रैंक और पीटीआई सदस्यों के साथ जेल में हैं।वह इमरान के करीबियों में शामिल हैं।इमरान अब सेना के करीबी नहीं हैं और मिलिट्री जो देश में सबसे शक्तिशाली है, उसके साथ उनके रिश्ते टूट गए। वह अब सत्ता में नहीं हैं इसलिए वह सेना के नेतृत्व के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

नेपाली पीएम प्रचंड ने जमीन की अदला-बदली का मुद्दा उठाया

-प्रचंड चाहते हैं भारत दे दे कालापानी की जमीन के बदले बांग्लादेश के लिए रास्ता

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड पिछले दिनों भारत के पहले आधिकारिक दौरे पर आए थे। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। बातचीत के विषयों में कालापानी सीमा विवाद भी शामिल था, जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनाव का केंद्र रहा है। नेपाली प्रधानमंत्री ने संकेत दिया था कि भारत के साथ इस विवाद को सुलझाने के लिए एक डील के तहत जमीन की अदला-बदली की जा सकती है। इसे लैंड स्वैप डील कहा जा रहा है, लेकिन नेपाल में इसे लेकर बवाल शुरू हो गया है और मुख्य विपक्षी पार्टी सीपीएन-यूएमएल इसका विरोध कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार प्रचंड ने कहा कि उन्होंने और पीएम मोदी ने सीमा विवादों को सुलझाने के लिए कई विकल्पों पर चर्चा की, जिसमें जमीन की अदला-बदली भी शामिल है, जैसा भारत और बांग्लादेश ने 2015 में किया था। वहीं नेपाल की मुख्य विपक्षी पार्टी सीपीएन-यूएमएल ने जमीन की अदला-बदली को लेकर प्रचंड के बयान का कड़ा विरोध किया है। यूएमएल की एक संसदीय दल की बैठक में निष्कर्ष निकाला गया कि जमीन की अदला-बदली पर प्रचंड का बयान राष्ट्रीय हित के खिलाफ है।

यूएमएल के चीफ व्हिप पदम गिरि ने कहा कि हम जमीन की अदला-बदली पर उनके बयान का जवाब मांगेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अपनी भारत यात्रा के दौरान नेपाल के राष्ट्रीय हित में कोई भी मुद्दा नहीं उठा सके। वह उन मुद्दों को उठाने में भी विफल रहे जिनकी उन्होंने पहले संसद में घोषणा की थी। हालांकि प्रचंड ने इस डील को फिलहाल सिर्फ एक विकल्प बताया है। पहले भी कई बार कुछ नेपाली नेता और विशेषज्ञों की तरफ से जमीन की अदला-बदली का मुद्दा उठाया जा चुका है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी नेपाली पीएम ने सार्वजनिक रूप से इस विकल्प को सामने रखा है।

दरअसल प्रचंड यह चाहते हैं कि भारत कालापानी की जमीन के बदले उसे बांग्लादेश के लिए रास्ता दे दे। यह रास्ता भारत के चिकेन नेक यानी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर से होकर जाता है, जिस पर चीन नजरें गड़ाए बैठा है। इसीलिए भारत नेपाल की इस मांग को लेकर असमंजस की स्थिति में है। भारत दौरे पर आए प्रचंड ने पीएम मोदी के साथ सीमा विवाद के मुद्दे पर बातचीत की थी।

क्या आने वाले दो दशकों में खत्म हो जाएंगें आसमान में टिमटिमाते तारे

लंदन (एजेंसी)।बचपन में आप में से ज्यादातर ने आसमान में चमकते हुए तारों को जरूर देखा होगा। लेकिन, क्या कभी सोचा है कि पिछले कितने साल से आपने ये नजारा नहीं देखा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि धीरे-धीरे हमें आसमान में तारे दिखना पूरी तरह से बंद हो जाएंगे। जानते हैं कि इसकी क्या वजह होगी?

बचपन में हमें माता-पिता और गुरुओं के द्वारा आसमान की ओर इशारा करके एकसाथ दिखते सप्तर्षि, सबसे ज्यादा चमकदार बृहस्पति और कभी अपनी जगह नहीं बदलने वाले ध्रुव तारे के बारे में बताया जाता था। लेकिन, शायद हम अपनी आने वाली पीढ़ी को ऐसा कुछ भी नहीं दिखा पाएंगे। दरअसल, वैज्ञानिकों का कहना है कि महज दो दशक के भीतर आसमान में तारे दिखने बंद हो जाएंगे। हालात अभी से बिगड़ने लगे हैं, क्योंकि अभी से काफी तारे आसमान में नहीं दिखते हैं। वैज्ञानिकों ने बताया है कि आखिर क्यों अगले दो दशक में तारे गायब हो जाएंगे?

रिपोर्ट के मुताबिक, जानकारों ने दावा किया है कि लाइट पॉल्यूशन के कारण पिछले कई साल से तारे दिखने कम हो चुके हैं। उनके मुताबिक, एलईडी और लाइट के दूसरे सोर्सेज के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारा आकाश आर्टफिशियल लाइट से जगमगा रहा है। उनका कहना है कि अगर हम लगातार ऐसा ही करते रहे तब ये हमारे लिए बड़ी मुसीबत का कारण बनेगा। लाइट पॉल्यूशन के कारण हमारी अगली पीढ़ी तारे नहीं देख सकेगी। जर्मन सेंटर फॉर जियोसाइसेंस के क्रिस्टोफर कबा के मुताबिक, टिमटिमाते तारों से सुंदर दिखाता आसमान धीरे-धीरे दुर्लभ हो रहा है। कबा ने इसकी गंभीरता को समझाने के लिए कुछ आंकड़ों का सहारा भी लिया है। उन्होंने कहा कि अगर आज कोई बच्चा ऐसी जगह पैदा होता है, जहां के आसमान में 500 तारे दिखते हैं तब अब से 18 साल बाद वहां केवल 200 तारे ही दिखाई देने वाले हैं। अब ये समझते हैं कि ये लाइट पॉल्यूशन होता क्या है?

बीवी से तलाक में पति को मिले 66 करोड़

-पत्नी पति को हर साल देगी 61 लाख

लंदन (एजेंसी)। बीवी अपने पति को तलाक देने के बदले अरबों डॉलर की भारी भरकम रकम देने जा रही है। मामला लंदन के एक बिजनेस घराने का है।लुईस बैकस्ट्रॉम और मार्टिन वेनबर्ग की शादी छह साल पहले हुई थी। मामला कोर्ट पहुंचा तो वेनबर्ग ने कहा कि उन्हें 4 अरब रुपये चाहिए। इसके लिए उन्होंने तमाम तरह के तर्क गिनाए।

बीवी की कंपनी में काम करने की दलीलों का भी हवाला दिया। लेकिन अदालत ने उनकी मांग ठुकरा दी। फिर भी उच्च न्यायालय के उप न्यायाधीश लेस्ली सैमुअल्स ने कहा कि शादी के पूर्व की शर्तों के हिसाब से ही पैसा देना होगा। अदालत ने बैकस्ट्रॉम को आदेश दिया कि वह अलग रह रहे अपने पति को 6.5 मिलियन पाउंड (करीब 66 करोड़ रुपये) का पैकेज दें। साथ ही, उनके रोजाना के खर्च के लिए 60,000 पाउंड यानी तकरीबन 61 लाख रुपये हर साल उन्हें देती रहें। बता दें कि जब शादी हुई तो बैकस्ट्रॉम बिल्टिमा फाउंडेशन की अध्यक्ष थीं। बिर्गमा होल्डिंग्स (हांगकांग) लिमिटेड में भी उनके शेयर थे। यह दोनों कंपनियां उनके दादा ने शुरू की थीं। मौजूदा समय में उनके पास लगभग 25 अरब रुपये की संपत्ति है। जबकि वेबवर्ग की संपत्ति सिर्फ 2 करोड़ रुपये थी। कोर्ट ने कहा कि दोनों की शादी थी लेकिन दोनों का रिश्ता सामान्य नहीं था। अलग-अलग रहते थे। अलग अलग पार्टियां करते थे।

सरकार व सेना विपक्षी पार्टी को अगला चुनाव जीतने से रोकना चाहती है: इमरान खान

पूर्व पाक पीएम इमरान खान ने पीएम शहबाज शरीफ पर लगाए बड़ा आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में इन दिनों राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है और पाक बुरी हालातों से गुजर रहा है। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता इमरान खान ने कहा है कि सेना उनकी विपक्षी पार्टी को अगला चुनाव जीतने से रोकना चाहती है और देश में एक कमजोर सरकार बनाना चाहती है।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। लाहौर में अपने भारी सुरक्षा वाले घर में शुक्रवार शाम मीडिया के साथ बातचीत में इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान सरकार और सेना के बीच अक्टूबर तक पीटीआई को कुचल देना चाहती है। उन्होंने अपने समर्थकों के गिरफ्तार होने के मामले की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। मालूम हो कि अधिकारियों ने कहा है कि वे मई में हिरासत में अपने संक्षिप्त समय के बाद सैन्य इमारतों पर हमला करने वाले को जवाबदेह ठहराना चाहते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री और पिछले साल संसदीय विश्वास मत में सत्ता खोने के बावजूद लोकप्रियता के सर्वेक्षण में बहुत आगे चल रहे इमारन खान ने इन हमलों में अपने समर्थकों और पीटीआई कार्यकर्ताओं की भूमिका से इंकार किया। साथ ही उन्होंने सरकार पर अभूतपूर्व कार्रवाई करने के बहाने इस घटना का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

इमरान खान ने कहा कि यह सब सत्ता प्रतिष्ठान की इस भावना पर निर्भर है कि पीटीआई अब चुनाव नहीं जीत पाएगी। एक बार जब वे इस बारे में आश्वस्त हो जाएंगे, तब वे चुनावों की घोषणा करेंगे। सरकार और सेना के प्रतिनिधियों ने फिलहाल इमरान खान के इस टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकी दोनों ने पहले कहा है कि इमरान खान और उनके समर्थकों ने राज्य के स्वामित्व वाली संपत्ति पर हमले के साथ सभी सीमा पार कर ली है।

मीडिया से बातचीत में इमरान खान ने कहा कि किसी भी पार्टी के लिए एक मजबूत जनादेश जीतना मुश्किल होगा, जिससे खंडित सरकार को गंभीर वित्तीय स्थिति से जूझना पड़ेगा, जिसने उनके उत्तराधिकारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से मदद लेने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने मौजूदा संकट के लिए शरीफ सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आगे कहा कि कई प्रमुख राजनेता के पार्टी छोड़ने के बावजूद उनके और उनकी पार्टी के लिए जनता का समर्थन बढ़ रहा है।

भारत की जनता भाजपा को हराने जा रही है : राहुल गांधी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उनकी पार्टी तेलंगाना और अन्य राज्यों के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का ''सफाया'' कर देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत के लोग भी भाजपा की नफरत से भरी विचारधारा को हराने जा रहे हैं। राहुल ने कहा, ''हमने कर्नाटक में दिखा दिया कि हम भाजपा को हरा सकते हैं. हमने उन्हें हराया नहीं, उनका सफाया कर दिया। हमने कर्नाटक में उन्हें बुरी तरह से शिकस्त दी।'' राहुल वाशिंगटन और सैन फ्रांसिस्को की यात्रा के बाद न्यूयॉर्क पहुंचे हैं और वह रविवार को मैनहट्टन के जेविट्स सेंटर में एक सामुदायिक रैली को संबोधित करेंगे।

उन्होंने कहा, ''कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने हर पैंतरा आजमाया। उनके साथ पूरा मीडिया था। हमारे पास जितना पैसा था, उससे 10 गुना पैसा उनके पास था, उनके पास सरकार थी, उनके पास एजेंसी थी। उनके पास सबकुछ था, लेकिन फिर भी हमने उनका सफाया कर दिया।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों के नारों और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, ''...और मैं चाहता हूं कि आप यह जान लें कि हम तेलंगाना में होने वाले अगले चुनाव में भी उनका सफाया करने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस चुनाव के बाद तेलंगाना में भाजपा को ढूंढ़ पाना भी मुश्किल होगा।'' दक्षिण भारत के इस राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाला है। सामुदायिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक, पार्टी सदस्य, अधिकारी और प्रवासी समुदाय के सदस्य एकत्र हुए, जिनमें न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स भी शामिल थे।

राहुल ने कहा, ''तेलंगाना के अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी चुनाव होने हैं। हम इन राज्यों में उनके (भाजपा के) साथ वही करेंगे, जो हमने कर्नाटक में किया।'' उन्होंने कहा, ''सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही नहीं है, जो भाजपा को हराने जा रही है। भारत के लोग, मध्य प्रदेश के लोग, तेलंगाना के लोग, राजस्थान-छत्तीसगढ़ के लोग भाजपा को हराने जा रहे हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि इसका कारण यह है कि ''भारत समझ गया है कि भाजपा समाज में जिस तरह की नफरत फैला रही है, उसके साथ वह आगे नहीं बढ़ सकता।'' उन्होंने कहा, ''कुछ अन्य राज्यों में भी यही होने जा रहा है। फिर 2024 (लोकसभा चुनाव) में भी हम ऐसा ही करेंगे... विपक्ष एकजुट है, हम सब मिलकर काम कर रहे हैं। यह एक वैचारिक लड़ाई है। एक तरफ भाजपा की विभाजनकारी, नफरत भरी विचारधारा है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी की स्नेह से भरी, प्रेमपूर्ण विचारधारा है।''

राहुल ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में भाजपा ने ध्रुवीकरण करने और समुदायों के बीच गुस्सा एवं नफरत पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने सवाल किया, ''प्रधानमंत्री ने खुद इसकी कोशिश की, लेकिन क्या यह काम आया।'' इस पर दर्शकों ने 'नहीं' में जवाब दिया। राहुल ने कहा कि कर्नाटक के लोगों ने साफ कर दिया कि चुनाव महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर केंद्रित हैं। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान दिए गए नारे का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था, ''नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलेंगे।'' कार्यक्रम में न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने कहा, ''अमेरिका की 'नयी दिल्ली' यहीं न्यूयॉर्क शहर में है।''

उन्होंने कहा कि यह समुदाय (भारतीय-अमेरिकी) बेहद शिक्षित, व्यवसाय उन्मुख और आत्मनिर्भर है। एडम्स ने कहा कि अमेरिका की खासियत यह है कि ''हम आपको याद दिलाते हैं आप एक नयी जगह को अपनाते समय अपनी मातृभूमि को न भूलें।'' न्यूयॉर्क के मेयर ने कहा, ''आप भारतीय-अमेरिकी हैं। आप अमेरिका को अपनाते समय

अपने अंदर की भारतीयता को न छोड़ें।'' उन्होंने कहा कि भारत ने ''ऐतिहासिक रूप से न केवल आपके देश की भौगोलिक सीमाओं को बहुत कुछ दिया है, बल्कि भारतीय समुदाय ने भी ऐतिहासिक रूप से विश्व को जो दिया है, वह उल्लेखनीय है और ऐतिहासिक अनुपात में अब भी वास्तव में परिलक्षित होना बाकी है।'' एडम्स ने कहा, ''सभी महान नोबेल शांति पुरस्कार विजेताओं ने मूल रूप से आपके समाज के समृद्ध इतिहास से प्रेरणा ली है। उन्होंने प्राचीन वेदों और शुरुआती साहित्य से प्रेरणा ली है।''

इससे पहले, दिन में राहुल ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट के आवास 'रूजवेल्ट हाउस' में न्यूयॉर्क के प्रमुख विचारकों के साथ ''सार्थक बातचीत'' की। राहुल ने कहा कि अमेरिका में प्रवासी भारतीय ''हमारे राजदूत'' हैं और उन्होंने अमेरिका और बाकी दुनिया को दिखाया है कि ''भारतीय होने का क्या मतलब है।'' उन्होंने कहा कि अपने देश में लड़ाई जारी है और ऐसी ही लड़ाई अमेरिका में भी भारत के लिए दो अलग-अलग दृष्टिकोणों को लेकर है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''एक जो हमारा दृष्टिकोण है, जो सभी को स्वीकार करता है, सभी को गले लगाता है, सभी का सम्मान करता है, सभी से प्यार करता है और चाहता है कि हर कोई अपने धर्म, अपने समुदाय, अपनी जाति, अपनी की परवाह किए बिना हमारे देश के भविष्य का हिस्सा बने।''

क्रांति समय

सोमवार,05-जून-2023

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धन्नीपुर मस्जिद का नक्शा पास कराने ट्रस्ट के पास नहीं हैं पैसे

अयोध्या। एडीए से धन्नीपुर मस्जिद का नक्शा पास कराने ट्रस्ट के पास 12 करोड़ रुपए नहीं हैं। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद रामनगरी में बनने वाली धन्नीपुर मस्जिद को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। दरअसल, मस्जिद का नक्शा नए सिरे से अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी में अप्रूव करने के लिए जल्द जमा किया जाएगा। अभी तक पूरे मस्जिद प्रोजेक्ट का नक्शा, जिसमें सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, कम्युनिटी किचन, लाइब्रेरी आदि हैं, एडीए में अप्रूवल के लिए जमा है। वहीं, एडीए पूरा टैक्स जमा करने के बाद ही स्वीकृत नक्शा जारी करेगा। उधर अब मस्जिद निर्माण समिति की ओर से संशोधित प्रस्ताव को भेजने की तैयारी हो रही है। मतलब, तत्काल ट्रस्ट हॉस्पिटल, लाइब्रेरी के निर्माण की योजना को स्थगित कर रहा है। मस्जिद ट्रस्ट के सूत्रों के मुताबिक, धन्नीपुर मस्जिद प्रोजेक्ट करीब 300 करोड़ रुपए का है। इस पर अयोध्या विकास प्राधिकरण का डेवलपमेंट टैक्स और अन्य टैक्स का आंकलन करीब 12 करोड़ रुपए आ रहा है। मस्जिद ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन के मुताबिक, मस्जिद ट्रस्ट के पास फिलहाल इतना धन जमा नहीं है। भारी-भरकम टैक्स जमा कर पूरे प्रोजेक्ट का नक्शा पास करवाने में इस कारण दिक्कत आ रही है। अतहर ने बताया कि ट्रस्ट ने अपने मस्जिद निर्माण का प्लान बदल दिया है। वहीं इस मामले में अतहर हुसैन ने कहा कि पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यहां हॉस्पिटल बनाने की तैयारी की गई थी, लेकिन मुस्लिम समुदाय के प्रतिष्ठित लोगों की अपील पर अब पहले मस्जिद का निर्माण शुरू किया जाएगा। ऐसे में मस्जिद की जो डिजाइन पहले पूरे प्रोजेक्ट में बनी है, उसी को अकेले नक्शा पास करवाने के लिए जमा करने की तैयारी है।

बेटे की चाहत में पिता ने की दो बेटियों को जिंदा जलाने की कोशिश

बरेली। बिथरी चैनपुर क्षेत्र में बेटे की चाहत में एक पिता ने अपनी दो बेटियों को जिंदा जलाने की कोशिश की। जानकारी के अनुसार आरोपी व्यक्ति बेटियां पैदा होने पर पत्नी के साथ मारपीट करने लगा। विरोध पर उसने पत्नी-बेटियों के सभी प्रमाण पत्रों में भी आग लगा दी। हैवानियत की हद तो तब हो गई, जब उसने बेटियों को जिंदा जलाने का प्रयास किया। पीड़िता थाने का चक्कर काटती रही मगर पुलिस ने एक न सुनी। अब एडीजी जोन पीसी मीना के आदेश पर पुलिस ने तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। गांव भिंडौलिया निवासी सुषमा ने पुलिस को दी जानकारी में बताया कि उसकी शादी 2004 में हुई थी। उसकी रागनी (9) और इंदू (4) साल की दो बेटियां हैं। आरोप है कि पति संजीव बेटियां पैदा होने के बाद से लगातार उसे प्रताड़ित करने का साथ उसके साथ मारपीट करने लगा। पति ने कहा कि वह लड़कियों को जन्म दे रही है, ऐसे में उसका वंश कौन चलाएगा। वंश चलाने के लिए लड़के को जन्म क्यों नहीं दिया। पुलिस को दी जानकारी के अनुसार पिता ने 8 मई को दिन में करीब 3 बजे महिला और उसके बच्चों के आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र समेत कपड़े जला दिए। इस दौरान विरोध पर आरोपी ने त्रिपाल में आग लगा दी और दोनों बेटियों को जिंदा जलाकर मारने का प्रयास किया। आग में बेड और कमरे में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। वह किसी तरह अपनी बेटियों को लेकर वहां से जान बचाकर ऑटो से भाग कर मायके फतेहगंज पूर्वी पहुंचीं। आरोपी पति ने महिला को इस कदर पीटा कि उसके बाएं हाथ की उंगली तक टूट गई। पीड़िता की शिकायत के बाद मामले में एडीजी जोन पीसी मीना ने संज्ञान लिया। जिसके बाद बिथरी पुलिस ने आरोपी पति संजीव, ससुर जगदीश और सास सुमित्रा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पुलिस से मारपीट के आरोप में भाजपा सांसद सुब्रत पाठक पर एफआईआर

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से भाजपा के सांसद सुब्रत पाठक पर पुलिस के साथ मारपीट के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में कन्नौज से बीजेपी सांसद सुब्रत पाठक समेत 10 लोगों को नामजद करते हुए 42 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा मंडी चौकी प्रभारी हाकिम सिंह की तहरीर पर लिखा गया है। दरअसल, कन्नौज में उन्नाव पुलिस ने अपहृत युवक को बरामद कर चार आरोपियों को दबोचा, जिसके बाद आरोपियों को उन्नाव ले गई, इसकी सूचना आरोपियों के साथियों को मिली तो वह कन्नौज की मंडी चौकी पहुंच गए, जहां उन्होंने जमकर हंगामा किया। चौकी प्रभारी के साथ अभद्रता की। पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया। इस दौरान तीन दारोगा समेत सात लोग घायल हो गए।

केंद्रीय मंत्री समेत कई विधायकों को ले जा रही इंडिगो फ्लाइट की हुई इमरजेंसी लैंडिंग, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। इंडिगो की फ्लाइट की उस समय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी जब विमान में तकनीकी खराबी आ गई थी। ये फ्लाइट असम के डिब्रूगढ़ जा रही थी। तकनीकी खराबी आने के कारण फ्लाइट को गुवाहाटी के एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया था। इस फ्लाइट में तेल और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्यमंत्री रामेश्वर तेली के अलावा भाजपा के दो अन्य विधायक भी यात्रा कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक जैसे ही फ्लाइट को गुवाहाटी में लैंड करवाया गया वैसे ही फ्लाइट में बैठे सभी यात्रियों को बाहर निकाल दिया गया। यात्रियों को सकुशल बाहर निकालने के बाद प्लेन को जांच के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक इस फ्लाइट ने चार जून की सुबह आठ बजकर 40 मिनट पर उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के 20 मिनट के बाद ही प्लेन में तकनीकी गड़बड़ी की जानकारी मिली। इसके बाद इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। इस प्लेन में कुल 150 यात्री यात्रा कर रहे थे। विमान से बाहर आने के बाद मंत्री रामेश्वर तेली ने बताया कि विमान लगभग 20 मिनट तक उड़ा। इसके बाद इसमें तकनीकी खराबी का पता चला और इसे गुवाहाटी के एयरपोर्ट पर उतारा गया। सभी यात्री सुरक्षित है। इसके बाद बीजेपी विधायक ने जानकारी दी कि उड़ान भरने के दौरान फ्लाइट में किसी तरह की परेशानी नहीं थी, लेकिन 20 मिनट बाद विमान वापस गुवाहाटी लौटा और एलजीबीआई हवाईअड्डे पर उतरा। हमें एयरलाइंस के कर्मचारियों द्वारा सूचित किया गया है कि विमान में एक तकनीकी समस्या थी, जिसके कारण पायलटों को विमान वापस करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सोशल मीडिया पर दुख दिखाने की बजाय राहत कोष स्थापित करें

–दुर्घटना पीड़ितों के लिए सोनू सूद ने जाहिर की चिंता, सरकार से की मांग

मुंबई। ओडिशा के बालासोर में हुए भयानक ट्रेन हादसे के बाद एक्टर सोनू सूद ने सरकार से राहत कोष स्थापित करने की मांग की है, ताकि जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, या जो अपंग हो गए हैं उनकी आजीविका चल सके। एक्टर ने कहा कि मुआवजा मिलेगा जो 2-4 महीनों में खत्म हो जाएगा। सोचिए जिसका एक पैर टूट गया होगा या उसका कंधा टूट गया होगा, क्या वह फिर कभी काम कर पाएगा? ये सभी परिवार के कमाने वाले हैं। सरकार उनके लिए बहुत अच्छा काम कर रही है, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें ऐसी दुखद दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए एक नीति लानी चाहिए। पेंशन की व्यवस्था के तहत ऐसे परिवारों के लिए एक निश्चित आय सुनिश्चित की जानी चाहिए। सोनू सूद ने सरकार से गुहार लगाते हुए कहा, मैं सभी से कहता हूं कि उनके लिए कुछ करें, राज्य सरकारें, केंद्र सरकार कुछ ऐसी नीतियां बनाएं, जो भविष्य के लिए एक मिसाल कायम करें। सोनू ने राजनीतिक दलों से भी दोषारोपण का खेल नहीं खेलने का अनुरोध किया और सरकार से पीड़ितों के लिए एक राहत कोष स्थापित करने को कहा है। एक्टर का कहना है कि सिर्फ सोशल मीडिया पर दुख दिखाने से कुछ नहीं होगा। इस भीषण हादसे ने सबको झकझोर कर रख दिया है। हादसे में करीब 288 लोग अपनी जान गंवा बैठे तो 1000 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। घटना में जान गंवाने वालों के प्रति लोग सोशल मीडिया के जरिए दुख जाहिर कर रहे हैं। वहीं बॉलीवुड सेलेब्स ने भी इस भयानक हादसे पर दुख व्यक्त किया है। इसी बीच लोगों के मसीहा सोनू सूद ने एक वीडियो शेयर कर उन लोगों की आजीविका के लिए चिंता जाहिर की है, जिन्होंने परिवार के सदस्यों को खो दिया है या जिन्हें गंभीर चोटें आईं हैं। एक्टर सोनू सूद ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- ओडिशा में ट्रेन हादसे की खबर से दिल टूट गया। हार्दिक संवेदना. दुर्भाग्यपूर्ण लोगों के लिए हमारे समर्थन और एकजुटता दिखाने का समय।

इतने बड़े रेल हादसे की अभी तक किसी ने नहीं ली जिम्मेदारी : कांग्रेस

–ओडिशा में हुए भीषण रेल हादसे पर कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने दागे पीएम पर सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा है कि इतना बड़ा रेल हादसा हो गया और अभी तक किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है। जबकि रेल मंत्री को इसके लिए इस्तीफा दे देना चाहिए। सुरजेवाला ने ओडिशा के बालेश्वर में हुए भयानक रेल हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अब तक 288 लोगों की जान जा चुकी है और 56 लोग जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अभी तक किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है। सुरजेवाला ने एक ट्वीट में कहा कि रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने फरवरी में इंटरलॉकिंग की विफलता के बारे में चिंता जताई थी और तत्काल कार्रवाई की मांग की थी। अधिकारियों ने कहा था कि अगर सिग्नल रखरखाव प्रणाली की निगरानी नहीं की गई और इसे तुरंत ठीक नहीं किया गया, तो इससे गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं, लेकिन मंत्री ने कुछ नहीं किया।

सुरजेवाला ने पीएम मोदी से जो 9 सवाल पूछे हैं उनमें पहला सवाल है कि रेल मंत्री और रेल मंत्रालय अधिकारियों की चिंता से अनभिज्ञ या लापरवाह क्यों थे? क्योंकि प्रारंभिक समाचार रिपोर्टों से पता चलता है कि बालेश्वर ट्रेन दुर्घटना सिग्नलिंग प्रणाली की विफलता के कारण हुई थी, लेकिन रेल मंत्री और रेल मंत्रालय सिग्नल प्रणाली की विफलता पर दी गई महत्वपूर्ण चेतावनी से अनभिज्ञ थे। सुरजेवाला ने कहा कि हाल ही में कई मालगाड़ियों के पटरी से उतरने की खबरें आई थी। इन हादसों में कई लोको पायलटों की मौत हो गई और कई वैगन नष्ट हो गए। इस पर रेल मंत्री और रेल मंत्रालय ने पहले ही उचित कदम क्यों नहीं उठाए।

सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि रेल मंत्री रेलवे सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय मार्केटिंग और प्रधानमंत्री को खुश करने के लिए अधिक चिंतित हैं। इसीलिए रेल मंत्री यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के कठिन काम को देखने के बजाय प्रधानमंत्री से वंदे भारत ट्रेनें शुरू कराने, रेलवे स्टेशनों के नवीनीकृत तस्वीरें ट्वीट करने और राजस्व बढ़ाने में व्यस्त हैं। उन्होंने पूछा कि रेलवे सुरक्षा की बढ़ती चूक आवश्यक मानव संसाधन - गैंगमैन, स्टेशन मास्टर, लोको पायलट आदि जैसे पैदल सैनिकों की कमी के कारण है।

सुरजेवाला ने कहा कि रेलवे द्वारा दिए गए एक आरटीआई जवाब के अनुसार 39 रेलवे जोनों में से अधिकांश के पास आवश्यक मानव संसाधन की कमी है। रेलवे में ग्रुप सी के 3,11,000 पद खाली हैं जिससे रेल सुरक्षा के साथ-साथ परिचालन क्षमता भी खतरे में है। रेलवे में 18,881 गजेटेड कैडेट के पदों में से 3,081 पद खाली पड़े हैं। सुरजेवाला ने आगे पूछा पिछले वर्ष की 35 भयानक दुर्घटनाओं की तुलना में वर्ष 2022-23 में 48 बड़ी रेल दुर्घटनाएं हुईं है, इनका ?जिम्मेदार कौन है। ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली (टीसीएएस) जिसे कवच कहा जाता है, रेलवे जोन में क्यों लागू नहीं किया गया है? केवल 2 फीसद रेल नेटवर्क यानी 68,000 किमी रेलवे नेटवर्क में से 1,450 किलोमीटर ही कवच द्वारा कवर किया गया है?

सुरजेवाला ने कहा कि रेल मंत्रालय ने रेल सुरक्षा आयोग की शक्तियों में कटौती करके उसे फालतू क्यों बना दिया है? केग की रिपोर्ट 2021 में बताया गया है कि राष्ट्रीय रेल सुरक्षा फंड का 20 फीसद ही गैर-सुरक्षा उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया गया था और पर्याप्त राशि का उपयोग नहीं किया गया था? क्या यह जानबूझकर की गई चूक नहीं है? उन्होंने अंत में यह भी पूछा कि रेल मंत्री पर आईटी और टेलीकॉम जैसे बड़े मंत्रालयों का बोझ क्यों है, जो रेलवे सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं?

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने खोला राज, आलाकमान के आगे झुकना पड़ा

बेंगलुरु। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने चुप्पी तोड़ते हुए वह राज खोल दिया है, जिसके कारण उन्होंने सीएम की जगह डिप्टी सीएम बनना स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि आलाकमान के कहने पर उन्हें झुकना पड़ा। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी को कर्नाटक में मिली शानदार जीत के बाद भी अपना मुख्यमंत्री चुनने में कई दिन लग गए। सीएम पद से चूकने वाले नए नवेले उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रामनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने उन्हें कुछ सलाह दी है। इसके बाद उन्होंने सीएम बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को छोड़ दिया। शिवकुमार ने जनता से कहा कि आपने मुझे मुख्यमंत्री बनाने के लिए बड़ी संख्या में वोट दिया, लेकिन आलाकमान ने एक निर्णय लिया। वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुझे कुछ सलाह दी। मुझे उनकी सलाह के आगे झुकना पड़ा। आप धैर्य रखें और प्रतीक्षा करें। आप जो चाहते हैं उसे व्यर्थ नहीं जाने देंगे। गौरतलब है कि कर्नाटक में शानदार जीत के बाद भी दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान को गतिरोध तोड़ने और सिद्धारमैया और शिवकुमार में से सीएम पद के लिए किसी एक नेता को चुनने में चार दिन लग गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा दोनों नेताओं के साथ कई दौर की चर्चा की गई। सत्ता के बंटवारे को लेकर गतिरोध जारी रहा। दोनों नेताओं ने दावेदारी ठोकी थी। इस लड़ाई में सिद्धारमैया की जीत हुई। डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम के पद से संतोष करने पड़ा। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस ने डीके शिवकुमार को दो ऑफर दिए। पहला विकल्प शिवकुमार को डिप्टी सीएम के साथ-साथ कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख के पद पर बनाए रखना था। उन्हें उनकी पसंद के छह मंत्रालयों की भी पेशकश की गई थी। वहीं, दूसरे ऑफर में उन्हें ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी शेयर करना था।

लोकतांत्रिक संस्कृति में सामूहिक जिम्मेदारी व राष्ट्रीयहित राजनीति से बड़ा है: एस जयशंकर

– राहुल के विदेश में पीएम मोदी व भाजपा सरकार की आलोचना पर विदेश मंत्री ने टिप्पणी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान पीएम मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की लगातार आलोचना के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जब कोई देश से बाहर कदम रखता है तो राष्ट्रीयहित राजनीति से ज्यादा बड़ा हो जाता है। एस जयशंकर ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में प्रवासी भारतीयों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वह अपने बारे में बोल सकते हैं, क्योंकि वह विदेश यात्रा के दौरान राजनीति में नहीं हैं। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि लोकतांत्रिक संस्कृति में सामूहिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीयहित होता है, जो राजनीति से बड़ा होता है। उन्होंने कहा कि जब कोई विदेश जाता है तो इन बातों को याद रखने की जरूरत होती है।

जयशंकर ने कहा कि राहुल गांधी इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। वहां पर वह कई कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं और भाषण दे रहे हैं। राहुल गांधी ने पीएम मोदी को स्पेसीमन बताया और विभिन्न मोर्चे पर केंद्र सरकार की नीतियों पर भी हमला किया। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि भारत में ऐसे लोग हैं जो सोचते हैं कि वे सब कुछ जानते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे स्पेसीमैन हैं। भारत में लोगों का एक समूह है जो पूरी तरह से आश्वस्त है कि वे सब कुछ जानते हैं।

जयशंकर ने कहा कि आज भारतीय विदेश नीति का एक हिस्सा विदेशों में भारतीय नागरिकों के कल्याण को सुरक्षित करने पर भी केंद्रित है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि ऐसी प्रणालियां स्थापित की जाएं जो कठिन परिस्थितियों में जवाब देंगी। जयशंकर ने 3 जून को अपनी दक्षिण अफ्रीका यात्रा समाप्त की और अब 6 जून तक तीन दिवसीय यात्रा पर नामीबिया में हैं।

ओडिशा ट्रेन हादसा: प्रधानमंत्री मोदी ने शोक संदेशों के लिए दुनियाभर के नेताओं का आभार जताया

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा ट्रेन दुर्घटना पर शोक संदेशों के लिए दुनिया के नेताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनके शब्दों से वह बहुत प्रभावित हुए हैं। उन्होंने शनिवार देर रात एक ट्वीट में कहा कि ओडिशा में ट्रेन हादसे पर दुनिया के नेताओं के शोक संदेशों से बेहद प्रभावित हूं। उनके सदय शब्द शोक संतप्त परिवारों को ताकत देंगे। उनके समर्थन के लिए आभार। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सहित कई विश्व नेताओं ने इस दुःखद दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है, जिसमें 288 लोगों की जान चली गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने उन सभी की भी सराहना की जो ओडिशा के बालासोर जिले में दुर्घटना स्थल पर बचाव और राहत कार्यों में शामिल रहे हैं, जहां दुर्घटना हुई थी। उन्होंने ट्वीट किया, मैं रेलवे, एनडीआरएफ, ओडीआरएएफ, स्थानीय अधिकारियों, पुलिस, अग्निशमन सेवा, स्वयंसेवकों और अन्य लोगों की टीमों से संबंधित प्रत्येक व्यक्ति की सराहना करता हूं जो बिना थके जमीन पर काम कर रहे हैं और बचाव कार्यों को मजबूत कर रहे हैं। उनके समर्पण पर गर्व है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में हमारे देश के लोगों द्वारा दिखाया गया साहस और करुणा वास्तव में प्रेरणादायक है। जैसे ही ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना हुई, लोग बचाव कार्यों में मदद करने में जुट गए। कई लोग रक्तदान करने के लिए कतार में खड़े हो गए। तीन ट्रेनों से जुड़ी यह दुर्घटना देश में अब तक की सबसे भीषण दुर्घटनाओं में से एक है जो शुक्रवार रात ओडिशा के बालासोर जिले में हुई थी।

3 साल की कानूनी लड़ाई के बाद महबूबा मुफ्ती को मिला 10 साल वैधता वाला पासपोर्ट

–80 वर्षीय मां को हज यात्रा पर मक्का ले जाने कर रही थीं इंतजार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को 3 साल की कानूनी लड़ाई के बाद 10 वर्ष की वैधता वाला पासपोर्ट जारी किया गया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबी कानूनी लड़ाई के बाद महबूबा को पासपोर्ट मिल गया है। उनके पासपोर्ट की वैधता 2019 में समाप्त हो गई थी और वह तभी से इसके नवीनीकरण की मांग कर रही थीं। महबूबा को ऐसे समय में पासपोर्ट जारी किया गया है, जब दो दिन बाद जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में उनकी बेटी इल्तिजा की याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्होंने खुद को देश विशिष्ट पासपोर्ट देने के पासपोर्ट कार्यालय के फैसले को चुनौती दी है। महबूबा को दिए पासपोर्ट की वैधता एक जून 2023 से 31 मई 2033 तक है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल मार्च में पासपोर्ट प्राधिकरण से पीडीपी प्रमुख को नया यात्रा दस्तावेज जारी करने के लिए तीन महीने के भीतर फैसला लेने को कहा था। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने अपने आदेश में कहा था कि यह देखते हुए कि मामला पासपोर्ट अधिकारी को वापस भेज दिया गया है और प्रारंभिक अस्वीकृति दो साल पहले हुई थी। संबंधित पासपोर्ट अधिकारी को शीघ्रता से और किसी भी स्थिति में तीन महीने के भीतर निर्णय लेने दें। अदालत का यह आदेश मुफ्ती की उस याचिका पर आया था, जिसमें उन्होंने नया पासपोर्ट जारी करने के संबंध में उनकी अपील पर अधिकारियों को जल्द निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने याचिका में कहा था कि कई बार स्मरण-पत्र भेजे जाने के बावजूद उन्हें नया पासपोर्ट जारी करने में काफी देरी हुई। उन्होंने कहा था कि उनकी अपील पर कोई फैसला नहीं लिया जा रहा है। केंद्र सरकार के वकील ने अदालत को सूचित किया था कि दो मार्च को अपील पर एक आदेश पारित किया गया था और मामला नए सिरे से विचार के लिए जम्मू-कश्मीर में पासपोर्ट अधिकारी को भेजा गया है।

महाकाल लोक कॉरिडोर में मूर्तियां गिरने की न्यायिक जांच के लिए अदालत जाएगी कांग्रेस

भोपाल (एजेंसी)। उज्जैन के महाकाल लोक गलियारे में लगी सप्तऋषि की मूर्तियों में से छह मूर्तियां गिरने की घटना की न्यायिक जांच के लिए कांग्रेस मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। पार्टी के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के पास गलियारे में 28 मई को तेज हवाएं चलने के कारण सप्तऋषि की छह मूर्तियां गिर गई थीं। मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस के एक तकनीकी दल ने शनिवार को घटना की जांच शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने पीटीआई/को बताया, ''हम उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए याचिका के साथ तैयार हैं। इसे वरिष्ठ अधिवक्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए भेजा गया है। पूरी संभावना है कि हम आने वाले सप्ताह में याचिका दायर कर देंगे।''

उन्होंने कहा कि वह वर्तमान न्यायाधीश से घटना की न्यायिक जांच का अनुरोध करेंगे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पार्टी प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार को निशाने पर लेगी। भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन्होंने तंज कसा कि इस सरकार ने ''भगवान को भी नहीं बख्शा है।'' नेता ने आरोप लगाया कि इस घटना से करोड़ों रुपये की लागत से बने गलियारे में मूर्तियों की स्थापना और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की बू आती है। गौरतलब है कि महाकाल लोक कॉरिडोर के पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल अक्टूबर में किया था। गलियारे के निर्माण की कुल लागत 856 करोड़ रुपये है, जिसमें पहले चरण में 351 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

मोदी के खिलाफ विपक्षी एकता बैठक में राहुल, खड़गे नहीं होंगे शामिल

–कर्नाटक चुनाव नतीजों के बाद सीएम नीतीश कुमार को कांग्रेस ने दे दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कांग्रेस ने बड़ा झटका दिया है। 12 जून को पटना में आयोजित विपक्ष की बड़ी बैठक में राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे ने शामिल होने से इंकार कर दिया है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्षी एकता के लिए निकले हैं। इसके लिए उन्होंने हाल के दिनों में कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित विपक्ष के तमाम नेताओं के साथ मुलाकात की थी और एक सीट, एक उम्मीदवार पर बात की थी। तमाम नेताओं से मुलाकात के बाद उन्होंने 12 जून को पटना में विपक्ष की एक बड़ी बैठक बुलाई है, जिसमें कांग्रेस के दोनों कद्दावर नेताओं के शामिल होने की चर्चा थी।

हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है। कर्नाटक में मिली जीत से उत्साहित कांग्रेस पार्टी ने साफ-साफ कहा है कि पटना में होने वाली इस बैठक में ना तो राहुल गांधी जाएंगे और ना ही वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे।

हालांकि कांग्रेस शासित राज्य के किसी मुख्यमंत्री को इस बैठक में शामिल होने के लिए पटना भेजा जा सकता है। देश की सबसे पुरानी पार्टी के इस कदम को सियासी गलियारों में नीतीश कुमार के लिए एक झटके की तरह देखा जा रहा है। नीतीश कुमार ने जब राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की थी, तब कर्नाटक चुनाव के नतीजे सामने नहीं आए थे। इस चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद कांग्रेस के तेवर अचानक बदल गए हैं। पार्टी के अधिकांश नेता फिर एकबार राहुल गांधी के प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाना चाहते हैं। उनकी दलील है कि भारत जोड़ो यात्रा के कारण राहुल गांधी की लोकप्रियता में इजाफा हुआ है और कर्नाटक में मिली जीत इसी का परिणाम है।

जानकार बताते हैं कि नीतीश कुमार विपक्षी एकता को लेकर जितनी जल्दबाजी में हैं, कांग्रेस उतनी ही इस मुद्दे पर शांत है। वह फिलहाल ना तो सीट शेयरिंग पर बात करने के मूड में है और ना ही प्रधानमंत्री पद के कैंडिडेट को लेकर किसी दूसरे नेता के नाम पर मुहर लगाना चाहती है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार भले ही कई मौकों पर यह कह चुके हैं कि प्रधानमंत्री बनने की उनकी कोई इच्छा नहीं है, लेकिन उनकी पार्टी के तमाम नेता अक्सर उन्हें पीएम कैंडिडेट बनाने की बात कह रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि पटना में 12 जून को होने वाली बैठक में उनके नाम का प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। इसीलिए कांग्रेस ने हाथ खींच लिया है।

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में आंधी-तूफान के साथ हुई झमाझम बारिश

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर के अनेक इलाकों में आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश शुरु हो गई है। हालांकि यहां के लिए मौसम विभाग (आईएमडी) ने तापमान बढ़ने का पूर्वानुमान किया था। लेकिन दिल्ली-एनसीआर के लोगों को सुबह-सुबह बारिश देखने को मिली है। दरअसल देश की राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाके में सुबह-सुबह झमाझम बारिश शुरू हो गई है। दिल्ली के कई इलाकों में गर्जन के साथ हल्की से मध्यम तीव्रता की बारिश और 30-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चली हैं। इससे पहले मई के आखिरी हफ्ते में कुछ दिनों तक लगातार बारिश और बूंदाबांदी ने दिल्ली का मौसम खुशनुमा बना रखा था। हालांकि आईएमडी ने इस सप्ताह तापमान बढ़ने की उम्मीद जताई है। रविवार सुबह मौसम विभाग जानकारी दी कि दिल्ली के अधिकांश स्थानों (सफदरजंग, लोदी रोड, आईजीआई हवाई अड्डा, आयानगर), एनसीआर (लोनी देहात, बहादुरगढ़, गाजियाबाद) के आस-पास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम तीव्रता की बारिश और 30-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी।

मौसम विभाग ने कल बताया था कि राजधानी में बीते दिन आसमान साफ रहा। तेज धूप निकलने से पिछले दिन के मुकाबले अधिकतम तापमान में डेढ़ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी देखी गई। आईएमडी ने शनिवार देर रात आंशिक बादल छाने का अनुमान लगाया था। आईएमडी ने कहा था कि रविवार को आकाश में आंशिक बादल छाए रहेंगे। इस दौरान तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। अगले सप्ताह तापमान में बढ़ोतरी देखी जाएगी।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली में कई दिन लगातार तेज हवाएं और बारिश के चलते मौसम सुहाना बना हुआ था। लेकिन अब तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा। हालां?कि आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि

अगले सप्ताह बुधवार को ताममान 40 डिग्री सेल्सियस और शुक्रवार को तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के चलते दिल्ली में अभी भी मौसम में नरमी बरकरार है और हल्की बूंदाबांदी के भी आसार बन रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

बालासोर रेल हादसे के बाद 90 ट्रेनों को रद्द किया गया है, 46 ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन किया

रेलवे ने यात्रा करने से पहले स्टेटस देखने की दी सलाह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बालासोर,ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार को हुए भीषण रेल हादसे के बाद करीब 90 ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि 46 ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। रेलवे से प्राप्त सूचना के अनुसार 11 ट्रेनों को उनके गंतव्य से पहले ही रोक दिया गया है। हादसे के कारण प्रभावित ज्यादातर ट्रेन दक्षिण और दक्षिण-पूर्व रेलवे जोन की हैं। गौरतलब है ?कि शुक्रवार को हुए भीषण रेल हादसे में अभी तक 288 यात्रियों की मौत होने की सूचना है।

भारतीय रेल के दो जोन द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण पूर्व रेलवे ने चेन्नई-हावड़ा मेल, दरभंगा-कन्याकुमारी एक्सप्रेस और तीन जून को चलने वाली कामख्या-एलटीटी एक्सप्रेस को रद्द कर दिया है। रेलवे ने चार जून को चलने वाली पटना-पुरी विशेष ट्रेन भी रद्द कर दी है। इसी तरह दक्षिण रेलवे ने तीन जून की रात 11 बजे मंगलोर से रवाना होने वाली मंगलोर-संतरागाछी विवेक सुपरफास्ट एक्सप्रेस, चार जून को चेन्नई से सुबह सात बजे रवाना होने वाली डॉक्टर एमजीआर चेन्नई सेंट्रल- शालीमार कोरोमंडल एक्सप्रेस, चार जून को चेन्नई से सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर रवाना होने वाली डॉक्टर एमजीआर चेन्नई सेंट्रल- संतरागाछी एसी सुपरफास्ट ट्रेन को भी रद्द कर दिया है।

इधर दक्षिण रेलवे ने रंगपाड़ा उत्तर- इरोड सुपरफास्ट विशेष ट्रेन, छह जून को गुवाहाटी से सुबह छह बजकर 20 मिनट पर रवाना होने वाली गुवाहाटी-श्री एम. विश्वेश्वरैय्या बेंगलुरु सुपरफास्ट एक्सप्रेस, सात जून को कामख्या से दोपहर दो बजे रवाना होने वाली कामख्या- श्री एम. विश्वेश्वरैय्या बैंगलुरु एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस को भी रद्द कर दिया है। रेलवे ने 11 ट्रेनों को उनके गंतव्य से पहले रोकने का निर्णय लिया है। दक्षिण पूर्व रेलवे ने हादसे से प्रभावित यात्रियों के रिश्तेदारों को मौके तक ले जाने के लिए तीन जून को दोपहर चार बजे हावड़ा से बालासोर तक एक विशेष मेमू ट्रेन चलायी है। यह ट्रेन संतरागाछी, उलूबेरिया, बागनान, मछेड़ा, पानस्कुरा, बालिचाक, खड़गपुर, हिजली, बेल्दा और जलेश्वर में रुकेगी। जानकारी के अनुसार दक्षिण रेलवे भी हादसे से प्रभावित लोगों के परिजनों/रिश्तेदारों के लिए चेन्नई से भद्रक तक विशेष ट्रेन चला रहा है। शनिवार शाम तक उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में अभी तक 288 लोगों के मरने की पुष्टि हुई है। ओडिशा सरकार के अधिकारियों ने शनिवार रात करीब आठ बजे बताया कि लगभग 1,175 यात्रियों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जिनमें से 793 को छुट्टी दे दी गई और 382 का इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि दो मरीजों को छोड़कर सभी की हालत स्थिर है।

सरकारी खाद्यान्न को स्थानांतरित करना और उन्हें बेचना की घटना,

दुकानदार बंसीलाल खोईवाल व राजेश खटीक के खिलाफ मामला दर्ज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वराछा के वी-32 के दुकानदार द्वारा बार-बार गरीबों के हक के अनाज गेहूं और चावल का गबन करते पकड़े जाने पर आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। दुकानदार बंसीलाल खोईवाल सरकारी अनाज को दूसरी बोरियों में ट्रांसफर कराकर बेचते थे। राशन कार्ड धारकों को कम अनाज देकर उचित मूल्य के दुकानदारो को बेच कर अपनी जेब भर रहे थे और अनाज को बार-बार इसी तरह बेचते रहते थे। शहर के अलग-अलग इलाकों में दुकानदार द्वारा कम अनाज दे रहे होने की शिकायत बार बार सामने आती रहती है। इन सबके बीच सूरत जिला आपूर्ति अधिकारी नितिन सांवलिया ने ऐसे अनाज माफिया को न्याय के कटघरे में खड़ा करने के लिए कानून का चाबुक अपनाया है। सरकारी खाद्यान्न को बार-बार बेचकर हेराफेरी करने वालों दुकानदारों के खिलाफ़ थाने में शिकायत दर्ज शुरू होने से दुकानदारो में भय फेल गया है।

हाल ही में वराछा के दुकानदार वी-32 का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में दुकानदार सरकारी अनाज की हेराफेरी कर बेचते नजर आ रहा है। जिसके बाद आपूर्ति पदाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से जांच का आदेश जारी कर दिया था। साथ ही जांच के अंत में वी-32 नंबर के दुकानदार को दोषी पाया गया और उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई। वराछा थाने में बंसीलाल छोगाजी खोईवाल और सरकारी अनाज खरीदार राजेश खटीक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

सूरत में वाहनों की चेकिंग कर रही पुलिस ने वेड दरवाजा ब्रिज के पास से युवक को 9.32 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत चौक बाजार पुलिस ने एमडी ड्रग्स के साथ एक युवक को पकड़ा है। वेड दरवाजा के पास पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी, उसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को पकड़कर उसके पास से 93,200 रुपये कीमत का 9.32 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त कर कानूनी कार्रवाई की।

सुरत शहर के चौकबाजार थाने के सर्वेलांस स्टाफ द्वारा वेड दरवाजा के पास वाहन की जांच की जा रही था। इसी बीच वेड दरवाजा पुल के नीचे से एक युवक आ रहा था और पुलिस ने उसकी हरकत को संदिग्ध मानकर उसे रोकने की कोशिश की। लेकिन जब युवक ने भागने की कोशिश की तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया और उससे पूछताछ की। जिसमें उसका नाम शोहेब उर्फ शोहेब वानर कमर खान (उम्र 22, लालमिया मस्जिद के पास, काकरा महोल्ला, रामपुरा, लालगेट व मूल. ललौवली, जिला-फतेपुर, उ.प्र.) व उसके अंग आरोपण से 9.32 ग्राम एम.डी ड्रग्स मूल्य रु 93,200 और एक आईफोन बरामद किया गया। पुलिस ने ड्रग्स और फोन को मिलाकर कुल 1.28 लाख की नकद सामग्री को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई की गई।

बॉटनिकल गार्डन के पास नगर पालिका के आवास में लोगों की नरक जैसी हालत

मानसून आने से पहले ही आवास हितग्राहियों की हालत खराब

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, सूरत में मानसून आने से पहले ही रांदेर जोन के बॉटनिकल गार्डन के पास नगर पालिका के गरीब (ईडब्ल्यू) आवासों के हितग्राहियों की हालत मानसून से पहले ही खराब हो रही है।

इस परिसर में पिछले एक महीने से नाला बह रही है और आठ से ज्यादा शिकायतें हो चुकी हैं लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला है। पिछले एक सप्ताह से इस परिसर में नाले का पानी भर जाने से 256 परिवारों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। कई बार शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में भारी रोष दिख रहा है। आवासों में रहने वाले लोगों का कहना है कि पिछले एक महीने से यहां के ड्रेनेज चेंबर से पानी बह रहा था और दो-चार दिन में ही सूख जाता था। लेकिन पिछले आठ दिनों से यहां सीवेज की झील बन गई है और लोगों को इसी सीवेज से होकर गुजरना पड़ रहा है।

कैंपस में बच्चे भी हैं जो नीचे उतर आते हैं जिससे उनकी मुश्किल बढ़ सकती है। एक सप्ताह से सीवरेज में पानी भरने से लोगों की सेहत बिगड़ रही है। स्थिति के और बिगड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता क्योंकि आने वाले दिनों में बारिश होगी। बार-बार शिकायत करने के बाद भी यदि यह स्थिति नहीं सुधरी तो कई लोगों के बीमार पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

सूरत नगर पालिका में प्री-मानसून प्रदर्शन पर कई सवाल उठ रहे हैं, कई जगहों पर कहा जा रहा है कि प्री-मानसून प्रदर्शन खराब है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसी ही आशंका के बीच रांदेर जोन के बॉटनिकल गार्डन के समीप श्रीजी नगरी के सामने बनी नगर पालिका के निवासियों की हालत खराब हो गई है। इस गरीब आवास परिसर में 16 बिल्डिंग और 256 परिवारों के घर हैं। लेकिन पिछले एक माह से इन हितग्राहियों की हालत खराब हो रही है। एक माह से परिसर में नाला बह रहा है। उसमें भी पिछले एक सप्ताह से परिसर में कुछ ज्यादा ही नाला बह रहा है जिससे परिसर में चारो और पानी ही पानी भरा है।

स्थानीय निवासी अब तक आठ बार से अधिक बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला है। स्थानीय लोगों ने पूर्व विपक्षी नेता बाबू कपाड़िया से संपर्क किया है क्योंकि निर्वाचित प्रतिनिधि या नगरपालिका कर्मचारी इस मुद्दे को हल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों को रहवासियों की स्थिति से अवगत करा दिया है।

गरीब आवास परिसर पिछले एक सप्ताह से सीवेज से भर गया है और एक महामारी की आशंका के बारे में बात की है और समस्या को हल करने का प्रस्ताव दिया है।

विश्व साइकिल दिवस पर सनातन धर्म का संदेश लेकर सूरत से केदारनाथ तक साइकिल यात्रा पर निकले दो भाई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के दो भाइयों ने सूरत से केदारनाथ के लिए साइकिल यात्रा शुरू की है। विश्व साइकिल दिवस पर दो भाई सनातन धर्म का संदेश लेकर केदारनाथ की यात्रा पर निकले हैं।रास्ते में रोरकी, हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, रुद्रप्रयाग, चोपता, कर्णप्रयाग, गोपेश्वर, सोनप्रयाग मंदिर जाएंगे। दोनों भाइयों का साइकिल चलाने का उद्देश्य सनातन धर्म को आगे बढ़ाना है। सूरत के पर्वत पटिया क्षेत्र के महावीर नगर में रहने वाले 24 व 26 वर्षीय भाई जयदीप कथीरिया (उम्र-24) व चिराग कथीरिया (उम्र-26) ने विश्व साइकिल दिवस के मौके पर सूरत से केदारनाथ की साइकिल यात्रा शुरू की है। दोनों भाइयों ने

जरूरी सामान साइकिल पर रख कर यह यात्रा शुरू की है। भाइयों की यात्रा लगभग 22 से 25 दिनों में यात्रा पूरी होने का अनुमान लगाया गया है। बीच में वह रास्ते में मंदिर के दर्शन भी करेंगे। रास्ते में रोरकी, हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, रुद्रप्रयाग, चोपता, कर्णप्रयाग, गोपेश्वर, सोनप्रयाग में दर्शन के लिए रुकेंगे। दोनों भाइयों का साइकिल चलाने का उद्देश्य सनातन धर्म को आगे बढ़ाना है।